आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

समस्त देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 301 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 19 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दीपोत्सव का भव्य आगाज

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दिखाई झांकी यात्रा को हरी झंडी

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम के लंका विजय के उपरांत अयोध्या आगमन की स्मृति में मनाया जा रहा दीपोत्सव भव्यता और भक्ति के संग आरंभ हुआ। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने साकेत महाविद्यालय से झांकियों की शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

21 आकर्षक झांकियों की यह शोभायात्रा रामपथ से होते हुए रामकथा पार्क तक पहुंची, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इसकी अगवानी करेंगे। रास्ते भर घर की छतों से पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। पूरे मार्ग पर दीपों की रौशनी और मंगल गीतों से अयोध्या राममय हो उठी।

इस बार सरयू पुल पर ग्रीन पटाखों की आतिशबाजी की जाएगी। मुख्यमंत्री सहित विशिष्ट अतिथि सरयू तट से करीब 20 मिनट तक चलने वाली रंगीन आतिशबाजी का नजारा देखेंगे। वहीं राम की पैड़ी परिसर में 1100 ड्रोन के जरिये रामकथा की भव्य प्रस्तुति होगी। अयोध्या के घरों और गलियों को दीपों, शुभ प्रतीकों और रामकथा चित्रों से सजाया गया है। शाम ढलते ही पूरा नगर अवधपुरी रघुनंदन आए जैसे मंगल गीतों से गूंज उठा।

तीन विश्व रिकॉर्ड बनाएगी अयोध्या

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस वर्ष का दीपोत्सव तीन नए विश्व रिकॉर्ड बनाएगा। 26 लाख 11 हजार 101 दीपों का एक साथ प्रज्वलन, 2100 अर्चकों द्वारा सरयू आरती, 1100 ड्रोन शो का भव्य प्रदर्शन। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव न केवल भव्यता का, बल्कि समृद्धि और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। अयोध्या भारत की आध्यात्मिक राजधानी बन चुकी है।

महिला स्वावलंबन की नई ज्योति

दीपोत्सव अयोध्या की महिलाओं के लिए भी आजीविका का बड़ा अवसर बन गया है। मेले में 70 से अधिक स्वयं सहायता समूह के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां महिला कारीगरों द्वारा बनाए गए बांस, मूंज, जूट उत्पाद और प्रसाद बॉक्स की बिक्री हो रही है।

अवध में उत्सव है भारी

अयोध्या पर शोधकर्ता डॉ. हरिप्रसाद दुबे ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में ऐसा माहौल है मानो देवलोक पृथ्वी पर उतर आया हो। सड़कों की चमक, एकसमान रंगों में सजे भवन, और रामकथा-आधारित स्वागत द्वार अयोध्या की भव्यता को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

औरंगाबाद में भाजपा के चुनावी प्रचार में डॉ. महेश शर्मा ने किया तूफानी प्रचार

औरंगाबाद (बिहार)। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के तहत चुनावी दौरे के क्रम में गौतमबुद्धनगर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने औरंगाबाद जिले में पार्टी के जिला महासचिव सतीश कुमार सिंह के आवास पर आयोजित एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में सहभागिता की। इस अवसर पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से विभिन्न विषयों पर विस्तृत संवाद हुआ।

डॉ. शर्मा ने औरंगाबाद के पूर्व विधायक रामाधार सिंह से भी शिष्टाचार भेंट की तथा आगामी चुनाव के संबंध में गहन चर्चा की। इस दौरान रामाधार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया और औरंगाबाद विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार त्रिविक्रम नारायण सिंह को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।

अगले क्रम में डॉ. महेश शर्मा रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे, जहां एनडीए के कर्मठ उम्मीदवार प्रमोद कुमार सिंह के समर्थन में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने हेतु अपना अमूल्य समर्थन दें। इसके साथ ही डॉ. शर्मा औरंगाबाद विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी त्रिविक्रम नारायण सिंह की नामांकन सह आशीर्वाद सभा में भी शामिल हुए।

शिष्टाचार मुलाकात के दौरान हुई सियासी गुफ्तगू

पूर्व प्रदेश मंत्री ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात, दीवाली की दी शुभकामनाएं

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा नोएडा से दो बार विधायक और उत्तर प्रदेश में मंत्री रहे नवाब सिंह नागर ने दीपावली के शुभ अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली स्थित आवास पर जाकर शिष्टाचार मुलाकात की तथा उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित त्यागी भी मौजूद थे।

इस दौरान नवाब सिंह नागर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भारतीय जनता पार्टी के संगठन तथा बिहार चुनाव को लेकर भी गुफ्तगू की। इसके अलावा गाजियाबाद तथा जनपद गौतमबुद्धनगर में भाजपा संगठन और पार्टी की गतिविधियों को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच विस्तार से चर्चा हुई।

मालूम हो कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह देश में भाजपा संगठन के साथ-साथ गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में भाजपा के संगठन को लेकर भी विशेष रुचि रखते हैं। भाजपा संगठन के विस्तार में राजनाथ सिंह की भूमिका हमेशा अद्वितीय और सराहनीय रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गृह मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके राजनाथ सिंह अब रक्षा मंत्रालय में भी देश को अनेक महत्वपूर्ण सौगातें दे रहे हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सुबह से लगा भीषण जाम

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के त्योहार मनाने के लिए दिल्ली-एनसीआर से लोग बड़ी संख्या में अपने घरों की ओर रवाना हुए, जिससे आज सुबह से ही यमुना एक्सप्रेसवे और दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर वाहनों का भारी दबाव देखने को मिला।

आज सुबह से ही दिल्ली, गाजियाबाद और गुरुग्राम से सैकड़ों लोग अपने वाहनों से निकल पड़े। बढ़ते यातायात के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थित टोल प्लाजा पर लंबी कतारें लग गईं। टोल प्रबंधन के अनुसार, कई वाहनों के फास्टैग में लो बैलेंस होने या ब्लैकलिस्टेड होने के कारण टोल भुगतान में दिक्कत आई।

हालांकि, भीड़ को संभालने के लिए प्रबंधन ने दो पहिया वाहनों के लिए तीन लेन और चार पहिया वाहनों के लिए सभी 11 लेन सुबह से ही खोल दी थीं। जिन वाहनों के फास्टैग में बैलेंस नहीं था या वे ब्लैकलिस्टेड थे, उनसे नकद या कार्ड के माध्यम से टोल वसूला गया।

त्योहारों और रविवार के अवकाश के चलते दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भी रविवार सुबह वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दिल्ली की ओर से आने वाले वाहनों की संख्या अचानक बढ़ने के कारण टोल प्लाजा के पास जाम की स्थिति बन गई।

वाहनों की बढ़ती भीड़ के कारण कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और टोल प्रबंधन की टीमें लगातार ट्रैफिक को सुचारू करने में जुटी रहीं।

त्योहार पर महंगे टिकट का झटका

बस का किराया 5 गुना बढ़ा

ग्रेटर नोएडा। दीपावली के त्योहार पर नोएडा से कानपुर व लखनऊ जाना अब आम दिनों से कहीं ज्यादा महंगा हो गया है। जहां सामान्य दिनों में स्लीपर बसों का टिकट 700 से 800 रुपये में आसानी से मिल जाता था, वहीं इस बार दीपावली, गोवर्धन पूजा व भैया दूज के अवसर पर किराया चार से पांच गुना बढ़कर 4000 से 5000 रुपये के पार पहुंच गया है। ट्रेन पूरी तरह फुल होने के कारण लाखों प्रवासी मजदूरों व कर्मचारियों को बसों पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिससे जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है।

टिकट महंगे होने के बावजूद उपलब्धता कम होने से यात्रियों को घंटों इंतजार व मारामारी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रेटर नोएडा के परीचौक बस स्टैंड पर पहुंचे यात्रियों का कहना है कि इस बार घर जाने का सपना टूटने की कगार पर है। कानपुर के रहने वाले रामू ने बताया कि मैं फैक्ट्री में काम करता हूं।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

नोएडा हाट में संपन्न हुआ 'यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला-2025'

1.53 करोड़ की बिक्री के साथ रचा नया रिकॉर्ड

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा हाट सेक्टर-33ए में आयोजित 10 दिवसीय 'यू0पी0 ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025' का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता असिस्टेंट कमिश्नर, उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने की। इस अवसर पर यूपिकॉन कंसल्टेंट पंकज सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर राजेन्द्र कुमार ने मेले में लगाए गए विभिन्न वन जनपद-वन उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा, माटी कला, लकड़ी शिल्प, रेडीमेड वस्त्र, घरेलू उत्पादों और स्वयं सहायता समूहों के स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिल्पियों, उद्यमियों और महिला समूहों से संवाद करते हुए उनके उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार एवं प्रस्तुति की सराहना की।

इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागी स्टालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिल्पियों एवं उद्यमियों को विशेष रूप से सम्मानित किया। राजेन्द्र कुमार ने कहा कि स्वदेशी मेला प्रदेश के कारीगरों की सृजनशीलता, परिश्रम और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेले के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर 'लोकल के लिए वोकल' अभियान को नई गति प्रदान की। लाइव प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और शिल्प कार्यशालाएँ इस आयोजन की मुख्य आकर्षण रहीं। आयोजन के दौरान कुल 1,53,72,565 रुपये की बिक्री दर्ज की गई।

उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने बताया कि यह 10 दिवसीय मेला प्रदेश के शिल्पियों और उद्यमियों के लिए व्यापारिक अवसरों का सशक्त मंच साबित हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और नागरिकों के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि स्वदेशी मेले की सफलता सभी की सहभागिता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जो भविष्य में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को और गति देगा।

ट्रंप का झूठ

आखिर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार झूठ बोलने के आदी क्यों हैं? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी वह पचासियों बार झूठे दावे करते रहे हैं कि उन्होंने अमुक देशों के बीच युद्धविराम करा दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों में भी युद्धविराम के झूठ बोले, जिनके बीच या तो युद्ध ही नहीं हुआ अथवा ट्रंप की कोई भूमिका ही नहीं थी। नोबेल पुरस्कार पाने की ऐसी छटपटाहट है कि राष्ट्रपति के पद पर होने के बावजूद ट्रंप झूठ बोलने के आदी हो गए हैं। बहरहाल ऐसे देश उनके झूठ का खुद जवाब देंगे, वह हमारा सरोकार नहीं है, लेकिन जब संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी और भारत के राष्ट्रीय हितों का है, तो हम निरपेक्ष और खामोश नहीं रह सकते। यह अनिवार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे अनाप-शनाप बयानों का जवाब दें। वह अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और परस्पर सम्मान की विदेश नीति से बंधे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन कॉल से अनभिज्ञता जाहिर की है, तो तय है कि दोनों नेताओं के बीच बीते बुधवार को कोई संवाद नहीं हुआ। यदि संवाद नहीं हुआ, तो भारत रूसी तेल और ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद कर देगा, यह निष्कर्ष कैसे संभव है? कमाल है कि राष्ट्रपति ट्रंप 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से रू-ब-रू बात कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज (बुधवार) आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह तुरंत नहीं हो सकता, थोड़ा समय लगेगा। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। गुरुवार को भारत ने यह झूठा दावा खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। ऐसे ही करीब 50 झूठे दावे ट्रंप ने भारत-पाक संघर्षविराम के मद्देनजर किए थे, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक विशेष चर्चा के दौरान, परोक्ष रूप से, खारिज कर दिया था। भारतीय प्रधानमंत्री इस भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि ट्रंप ने झूठ बोला है या ट्रंप झूठा है। भारत के प्रधानमंत्री और मंत्रियों के कुछ निश्चित कूटनीतिक संस्कार हैं। विपक्ष चाहे तो खुशफहमी में रह सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप से डरे हुए हैं। बहरहाल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी तेल को भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा-जरूरतों के मद्देनजर 'राष्ट्रीय हित' की बात कही और उसे सर्वोच्च प्राथमिकता और प्रतिबद्धता करार दिया। ध्यान रहे कि अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ , जुर्माने के तौर पर, थोपा था, क्योंकि हम रूस से तेल खरीदते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने यहां तक आरोपित किया था कि तेल खरीद कर भारत रूस की युद्ध लडने् की ताकत को, परोक्ष रूप से, बढ़ा रहा है। बहरहाल एक यूरोपीय थिंक टैंक 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) की एक रपट के मुताबिक, भारत ने सितंबर में रूस से 2.5 अरब यूरो, यानी 2.91 अरब डॉलर, का कच्चा तेल खरीदा था। दरअसल भारत ने रूसी जीवाश्म ईंधन की कुल 3.6 अरब यूरो की खरीद की थी। उसमें कच्चा तेल, कोयला और अन्य तेल उत्पाद आदि शामिल थे। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात करीब 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा है, जो बीते महीनों की तुलना में 9 फीसदी कम था, लेकिन इसके मायने ये नहीं हैं कि भारत रूस से तेल की खरीद कम करते हुए बिलकुल ही बंद कर देगा। रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी को 'महान इंसान, महान प्रधानमंत्री, माई डियर फ्रेंड' संबोधित करते हुए नहीं अघाते, लेकिन भारत की पीठ में छुरा घोंपने से भी बाज नहीं आते। रूस ने कभी ऐसा 'दोगला व्यवहार' नहीं किया। बेशक भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है, लिहाजा आयातक भी है। रूसी तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार भारत ही है। भारत-रूस की आपसी साझेदारी जारी रहेगी, यह विश्वास भारत ने एक बार फिर दिलाया है। ट्रंप की यह कोशिश रहती है कि वे भारत पर दबाव बनाएं ताकि भारत अपने बाजारों को उसके लिए खोल दे, तमाम टैरिफ के बाद भी ट्रंप अपने इरादों में सफल नहीं हो पाए हैं, जिसकी वजह से वे इस तरह के बयान देते हैं ताकि अतिरिक्त दबाव बनाया जा सके। ट्रंप दुनिया के ऐसे नेता है जिनके बयानों को समझना बहुत मुश्किल है। वे अकसर इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देते हैं, जिनका कोई साक्ष्य उनके पास नहीं होता है।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसग? में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है।

उधर महाराष्ट्र के गढचिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआारपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था।

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है। इससे वे भी समर्पण करने के लिए मन बनायेंगे। यह समर्पण छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए शांति का बड़ा संकेत है। भूपति व उसके साथियों के समर्पण करने से माओवादियों की सबसे मजबूत दीवार ढह गई है।

जनवरी 2023 में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवाद के खिलाफ ऑपरेशन को हरी झंडी दी, उसके बाद से अब तक सुरक्षाबलों ने 312 माओवादियों को मार गिराया है। मारे गए माओवादियों में में सीपीआई माओवादी महासचिव वासव राजू समेत पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के आठ सदस्य भी शामिल हैं। 21 जनवरी 2024 से लेकर अब तक माओवाद के खिलाफ अनेक ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं, जिनमें 836 माओवादी गिरफ्तार किये गए हैं और 1639 आत्मसमपर्ण कर चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में पोलित ब्यूरो और एक केंद्रीय समिति सदस्य शामिल है।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

वर्ष 2010 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने माओवाद को भारत की सबसे बड़ी चुनौती बताया था किंतु उस समय राजनैतिक कारणों से माओवाद के पूर्ण सफाए का कोई ब्लूप्रिंट नहीं बन पाया था। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में माओवादी बहुत बड़ी चुनौती थे। यह लोग नेपाल के पशुपतिनाथ से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक लाल कारिडोर बनाने का सपना देख रहे थे। यह लोग भारत, भारत के संविधान और भारत कि सनातन संस्कृति से बैर रखते हैं। इनको सशक्त राष्ट्र नहीं चाहिए।

वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों के माओवादी हिंसा से ग्रस्त होने की रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई थी। वर्ष 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से मार्च 2025 तक यह संख्या 126 से घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई है। वर्तमान में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 11 रह गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के सात जिले, झारखंड का एक जिला पश्चिम सिंहभूम, मध्यप्रदेश का एक जिला बालाघाट, महाराष्ट्र का एक जिला गढ़ चिरौली और ओडिशा का एक जिला कंधमाल शामिल है। इनमें भी अब छत्तीसगढ़ के तीन जिले बीजापुर, नाराणपुर और सुकमा ही अति माओवादी प्रभावित बचे हैं।

वर्ष 2014 के पूर्व माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराना अपराध माना जाता था, गरीबों के लिए सरकारी सहायता नहीं पहुच पाती थी और दूर दराज के गांवो से किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो पाता था।

अब समय बदल चुका है, छत्तीसगढ़ के माओवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में विकास की नई गंगा बह रही है। बस्तर जैसे कुख्यात जिले मे तिरंगा शान से फहरा रहा है। युवा बड़ी संख्या में खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी कर रहे है। माओवादियों से मुक्त हुए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास किया जा रहा है। कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जिससे वहां की जनता दोबारा माओवादियों के दुष्प्रचार में न फंसे। माओवाद के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत उनकी फंडिग को रोकने का काम भी किया जा है।

जैसे-जैसे माओवाद के सफाए का अभियान आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे उसके समर्थक राजनैतिक तत्वों के पेट मे दर्द भी उठ रहा है। माओवाद के समर्थन से फल फूल रहे वामपंथी दलो ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बंद करने की अपील तक कर दी। तेलंगना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तो एक कार्यक्रम में कह दिया कि माओवाद एक विचारधारा है जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर भी माओवादी विचारधारा के समर्थकभी यही बात कह रहे हैं कि यह विचारधारा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

माओवाद एक जहरीली, खतरनाक और नरसंहार का समर्थन करने वाली विचारधारा है जिसका अंत करने के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सुरक्षा बल आक्रामक भी हैं और समर्पण करने वालों का स्वागत भी कर रहे हैं। पुनर्वास और पुनर्जीवन का प्रयास कर रही है। विकास को हर द्वार तक ले जा रही है जिससे आम व्यक्ति नक्सल के लाल आतंक के भय को भूल कर आगे बढ़ सके। **- मृत्युंजय दीक्षित**

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि माथे पर तिलक और पसीने की बूँदें शोभायमान हैं। कानों में सुंदर भूषणों की छबि छाई है। टेढ़ी भौंहें और घुँघराले बाल हैं। नए लाल कमल के समान रतनारे (लाल) नेत्र हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

चारु चिबुक नासिका कपोला। हास बिलास लेत मनु मोला॥
मुखछबि कहि न जाइ मोहि पाहीं। जो बिलोकि बहु काम लजाहीं॥

ठोड़ी नाक और गाल बड़े सुंदर हैं और हँसी की शोभा मन को मोल लिए लेती है। मुख की छबि तो मुझसे कही ही नहीं जाती, जिसे देखकर बहुत से कामदेव लजा जाते हैं॥

उर मनि माल कंबु कल गीवा। काम कलभ कर भुज बलसींवा॥
सुमन समेत बाम कर दोना। सावँर कुअँर सखी सुठि लोना॥

वक्षःस्थल पर मणियों की माला है। शंख के सदृश सुंदर गला है। कामदेव के हाथी के बच्चे की सूँड के समान (उतार-चढ़ाव वाली एवं कोमल) भुजाएँ हैं, जो बल की सीमा हैं। जिसके बाएँ हाथ में फूलों सहित दोना है, हे सखि! वह साँवला कुँअर तो बहुत ही सलोना है॥

दो0-केहरि कटि पट पीत धर सुषमा सील निधान।
देखि भानुकुलभूषनहि बिसरा सखिन्ह अपान॥

सिंह की सी (पतली, लचीली) कमर वाले, पीताम्बर धारण किए हुए, शोभा और शील के भंडार, सूर्यकुल के भूषण श्री रामचन्द्रजी को देखकर सखियाँ अपने आपको भूल गईं॥

(क्रमशः..)

क्रूर मुस्कान (व्यंग्य)

कभी सोचा है कि लोकतंत्र भी एक चालाक शिकारी की तरह मुस्कुराता है, जहां वोट की लहर पर सवार होकर कोई भी सत्ता की कुर्सी हथिया लेता है, ठीक वैसे ही जैसे उस हरे-भरे खेत में चुनाव खत्म हुए थे, जहां सालों से बूढ़ा बैल मुखिया बना हुआ था, हमेशा जानवरों की मेहनत का ख्याल रखता, घास की फसलें बराबर बांटता, मुर्गियों को दाने, बकरियों को छाया, और यहां तक कि छोटे-छोटे चूजों को कीड़ों से बचाता, लेकिन धीरे-धीरे खेत के शांतिप्रिय जानवरों में असंतोष फैलने लगा, क्योंकि पेट भरा तो मन में सवाल उगने लगे, 'यह बैल तो पुराना हो गया, कभी हमारी बाड़ी में आता क्यों नहीं, हमेशा खेत के किनारे पर खड़ा रहता है, क्या नई हवा नहीं चाहिए', और इसी असंतोष की हवा को भांप लिया चालाक लोमड़ी ने, जो पहले से खेत की सीमा पर मंडराती रहती थी, उसने अपने चेलों को भेजा, कानाफूसी फैलाई कि बैल तो सिर्फ अपनी गठरी भरता है, शाकाहारी जानवरों को दबाता है, फिर चुनावी मौसम में लोमड़ी खुद खेत में दाखिल हुई।

चारों तरफ उत्सव, मुर्गियां दाने बिखेर रही थीं, बकरियां घंटियां बजातीं, चिड़ियां ऊपर से पत्ते बरसातीं, लोमड़ी सबको देखकर हंस रही थी, जबकि पुराना बैल दूर पहाड़ी पर बैठा यह तमाशा देख रहा था, उसकी आंखों में भविष्य की छाया थी।

एक नन्हे चूजे को गोद में उठाकर कैमरे के सामने मुस्कुराई, 'देखो, मैं तुम्हारी तरह हूं, तुम्हारे बच्चों की परवाह करती हूं', और अगले दिन वह फोटो हर बाड़े, हर घोंसले में बंट गई, साथ में घोषणा-पत्र चिपकाया, जिसमें वादे थे जैसे दाने की नई खेती, कीड़ों पर पूरा हक, बाड़ियों का विस्तार, और यहां तक कि मुर्गियों को अंडे देने के लिए छुट्टी, यह सब देखकर खेत के जानवर प्रभावित हो गए, पुराना बैल अपनी जगह से हिला नहीं, उसे लगा सदियों की सेवा ही काफी है, उसके डमी उम्मीदवार भी बस दिखावे के थे, ताकि लोकतंत्र की रौनक बनी रहे, लेकिन मतदान के दिन लोमड़ी की चाल चल गई, परिणाम आए तो बैल की हार हो गई, लोमड़ी जबरदस्त बहुमत से मुखिया चुनी गई, अगले दिन विजय जुलूस निकला, लोमड़ी की गोद में वही नन्हा चूजा सहमा बैठा था।

चारों तरफ उत्सव, मुर्गियां दाने बिखेर रही थीं, बकरियां घंटियां बजातीं, चिड़ियां ऊपर से पत्ते बरसातीं, लोमड़ी सबको देखकर हंस रही थी, जबकि पुराना बैल दूर पहाड़ी पर बैठा यह तमाशा देख रहा था, उसकी आंखों में भविष्य की छाया थी, वह जानता था कि यह खुशी की आड़ में आने वाला तूफान है, लेकिन अब वह लाचार था, रात गहराई, खेत में सन्नाटा छा गया, लोमड़ी की बाड़ी में अभी जश्न चल रहा था, मुर्गियां नए दाने के ढेर देखकर उछल रही थीं, लेकिन वह नन्हा चूजा अब तक घर नहीं लौटा था, अचानक लोमड़ी की हंसी के बीच उसकी एक छोटी सी चीख गूंजी, जैसे कोई मासूम सपना टूट रहा हो, और फिर सब शांत, खेत की हवा में वह चीख लहरा गई, लेकिन कोई नहीं बोला, क्योंकि लोकतंत्र की मुस्कान ऐसी ही होती है, वादों से भरी लेकिन दिल तोड़ने वाली, और जैसे-जैसे सुबह हुई, चूजे की मां उसके खाली घोंसले के पास बैठी सिसक रही थी, बैल दूर से देखता रहा, उसकी आंखें नम थीं, क्योंकि वह जानता था कि यह सिर्फ एक चूजे की मौत नहीं, पूरे खेत की मासूमियत का अंत है, जहां वोट की कीमत एक छोटी सी जान बन जाती है। **डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',**

(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चे होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

नोएडा-ग्रेटर में रेंग कर चली गाड़ियां

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। धनतेरस के दिन सड़कों पर त्योहार की रौनक के साथ-साथ गौतमबुद्धनगर के नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भीषण ट्रैफिक जाम का आलम देखने को मिला। शाम ढलते ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा के अलावा गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम की मुख्य सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। बाजारों में खरीदारी की भीड़ और ऑफिस से लौटते लोगों के कारण सड़कों पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं।

शनिवार को धनतेरस का त्यौहार था इस दिन बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर खरीददारी करने के लिए निकले। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर दोपहर बाद से ही वाहनों की रफ्तार थम गई। सेक्टर-62 से सेक्टर-52 और सिटी सेंटर की ओर जाने वाले रास्तों पर भी जाम जैसी स्थिति बनी रही। सेक्टर-94 से लेकर सेक्टर-142 तक गाड़ियां रेंग-रेंग कर चलीं। लगातार बजते हॉर्न, धुएं और भीड़ के बीच वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते दिखे। धनतेरस के कारण बाजारों में रौनक चरम पर रही। सोने-चांदी की दुकानों, मॉल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम के बाहर गाड़ियों की पार्किंग फुल हो गई थी। सेक्टर-18, अट्टा मार्केट और ग्रैंड वेनिस मॉल जैसे इलाकों में पैदल चलना भी मुश्किल हो गया।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धनतेरस और दिवाली के बीच हर साल ऐसा दबाव देखने को मिलता है. इस बार भी लोगों की खरीदारी और त्योहार की वजह से सड़कों पर वाहनों की संख्या सामान्य दिनों से लगभग दोगुनी रही। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी जाम से निपटने के लिए नोएडा की सड़कों पर मुस्तैद रहे।

ग्रेटर नोएडा में भी ऐसी ही स्थिति नजर आई। शहर में भी कई जगह जाम दिखा. अल्फा गोल चक्कर, परी चौक व जगत फार्म मार्केट के पास भीषण जाम की स्थिति नजर आई। इसके अलावा रूट डायवर्जन की वजह से भी शहर के कई हिस्सों में भीषण जाम नजर आया।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा इन दिनों बिहार विधानसभा के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सांसद डॉ. महेश शर्मा औरंगाबाद विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार त्रिविक्रम नारायण सिंह की नामांकन व आशीर्वाद सभा में सम्मिलित हुआ तथा उन्हें जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान सांसद ने जनसभा को संबोधित भी किया।

श्री जी गौ सदन धूमधाम से मनाएगा गोवर्धन एवं गोपाष्टमी उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। श्री जी गौ सदन अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण पर गोवर्धन पूजा एवं गोपाष्टमी उत्सव बड़े धूमधाम से मनाये जा रहे हैं। यह जानकारी प्रेसवार्ता में श्री जी गौ सदन के सदस्यों ने दी।

श्री जी गौ सदन के अध्यक्ष सी.ए. विकास अग्रवाल ने बताया कि गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम 22 अक्टूबर को गौ पूजन एवं भजन कीर्तन के साथ प्रारंभ होगा जिसमें श्रीमती राधा शर्मा अपनी प्रस्तुति देंगी और इस पूजा में यजमान के रूप में अक्षय कुमार गर्ग रहेंगे एवं संयोजक के रूप में एन के अग्रवाल मौजूद रहेंगे। दोपहर में अन्नकूट प्रसाद का भंडारा होगा।

इसके साथ ही गोपाष्टमी उत्सव 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि दिनेश उपाध्याय अखिल भारतीय गौ रक्षा समिति, प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद होंगे और मुख्य यजमान गौरव वार्ष्णेय होगे। इस कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, विधायक नोएडा पंकज सिंह, पूर्व विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश महिला आयोग श्रीमती विमला बाथम, पूर्व विधायक नवाब सिंह नागर, महासचिव संजय गुप्ता कोषाध्यक्ष, संजय बाली सांसद प्रतिनिधि, डॉ. एम.के. अग्रवाल, डॉ टी.एन. गोविल, एन.के. अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष , सी.ए. राकेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, तुलसीदास थरेजा, राजीव गोयल, टी.एन. चौरसिया पूर्व अध्यक्ष, राकेश शर्मा, कमांडर विनोद गुप्ता आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कैलाश इंस्टीट्यूट में दीपावली महोत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कैलाश इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस में दीपावली महोत्सव पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। पूरे परिसर में दीपों की जगमगाहट और विद्यार्थियों के उत्साह ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर संस्थान की अध्यक्षा संतोष गोयल, महानिदेशक संदीप गोयल और शिक्षा निदेशक बिंदिया गोयल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

महोत्सव के अंतर्गत दीप प्रज्वलन, लक्ष्मी-गणेश पूजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, रंगोली प्रतियोगिता, दीप सज्जा, मिष्ठान वितरण और सहभोज का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में नृत्य और गीत प्रस्तुत कर भारतीय परंपराओं की सुंदर झलक दिखाई।

कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, सौहार्द और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

संस्थान परिवार ने संदेश दिया कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सत्य और अच्छाई की विजय का प्रतीक है, जिसे जीवन में आत्मसात कर समाज में सकारात्मकता और सद्भाव फैलाना चाहिए।

जेवर के वरुण तालान बने विश्वविद्यालय के टॉपर, राज्यपाल ने किया सम्मानित

अलीगढ़। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में द्वितीय दीक्षांत समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, तथा राज्य की शिक्षामंत्री श्रीमती रजनी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। गौतमबुद्धनगर जनपद के जेवर क्षेत्र के गांव मेवला गोपालगढ़ निवासी वरुण तालान पुत्र वीरपाल सिंह को एम.एस ,सी. (रसायन विज्ञान) में विश्वविद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त हुआ। वरुण तालान को उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण पदक प्रदान किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और शिक्षामंत्री रजनी तिवारी ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वरुण तालान ने पंडित श्री चन्द्र शर्मा पी.जी. कॉलेज, मानपुर कला, खैर (अलीगढ़) से अध्ययनरत रहते हुए विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अपनी इस उपलब्धि पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके परिवार, शिक्षकों और गुरुजनों के आशीर्वाद का परिणाम है।

दीक्षांत समारोह में कुलपति, प्राचार्यगण, प्रोफेसर, छात्र-छात्राएँ और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण उत्साह और गर्व से ओतप्रोत रहा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 48/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. :-1., कार्य का विवरण:-** इज्जतनगर मंडल के कानपुर अनवरगंज-मथुरा अनुभाग में कासगंज (के.एस.जे.) एवं फर्रुखाबाद (एफ.बी.डी.) यार्डों में यार्ड सुधार एवं अपग्रेडेशन का कार्य।, **अनुमानित लागत रूपयो में:-** रु. 16,87,37,401.16, **बयाना राशि रूपयो में:-** रु. 9,93,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य, **शून्य** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि **12 माह, 1.** ई-निविदा दिनांक **14.11.2025** को **15.00 बजे** तक आन लाइन जमा कर सकेंगे।, **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे। मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) मुजाधि/डब्लू-303 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. GEM/2025/B/6804785 दिनांक : 17.10.2025

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिए **ई-निविदाएं** प्रपत्र पर दिनांक **07.11.2025** तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है :-

जेम बिड सं0 : GEM/2025/B/6804785 दिनांक 17.10.2025

कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर/इटावा एवं सहायक मण्डल इंजीनियर/फिरोजाबाद के अन्तर्गत आपातकालीन मरम्मत कार्यों और अन्य संबद्ध कार्यों सहित सुरक्षा के लिए ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रू) : 1,18,11,762.00	**अग्रिम धन राशि मूल्य (रू)** : 2,09,059.00
कार्य समापन की अवधि : 03 माह	**निविदा खुलने की तिथि** : 07.11.2025
पात्रता मापदंड के अर्न्तगत सिमिलर कार्य : कोई पी0वे0 का कार्य।	

नोटः 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1943/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः वरि.म.बि.इंजि./चलस्टाक/वि.लो.शेड/कानपुर/2025-26/ई.टी.-11 दिनांकः 18.10.2025

ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता, चल स्टाक, उत्तर मध्य रेलवे, अनवरगंज, कानपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो कि निविदा खुलने की तारीख एवं समय तक प्राप्त की जायेंगी। निविदा विवरण निम्न प्रकार हैः

निविदा सं.: ELS-CNB-2025-26-ET-11

कार्य का विवरणः ओवरहॉलिंग ऑफ ऑक्सीलिरी मोटर्स ऑफ थ्री फेज लोको फॉर ई.एल.एस./सी.एन.बी.।

अनुमानित मूल्य (रु.): Rs. 88,15,452.80 (रु. अठासी लाख पंद्रह हजार चार सौ बावन और अस्सी पैसे मात्र)

बिड सिक्यूरिटी (रु.): Rs. 1,76,300.00 (रु. एक लाख छिहत्तर हजार तीन सौ मात्र)

कार्य सम्पादन की अवधिः नौ महीने | **निविदा दस्तावेज की कीमत (रु.)**: शून्य

निविदा खुलने की तारीख एवं समयः 12.11.2025 & 15:30 hrs.

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर खुलने की तिथि और समय तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट शेड्यूल पेज पर ही विचारणीय है। दरे तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी डाक्यूमेंट/फॉर्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **5.** निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। **6.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1950/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

कार से लाखों का सामान व टायर चोरी

दादरी। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक व्यक्ति के साथ चोरी की वारदात का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बताया कि वह कॉलेज के पास अपनी गाड़ी खड़ी करके खरीदारी करने गया था। जब वह वापस लौटा, तो देखा कि गाड़ी से चारों टायर, बैटरी और अन्य कीमती सामान जैसे घड़ी व चैन चोरी हो गए हैं। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।

अज्ञात चोरों ने मोटरसाइकिल की चोरी

दादरी। कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी कर ली। पीड़ित मोहम्मद हम्माद पुत्र अब्दुल हसन ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल चोरी करने वाले तीन व्यक्ति एक ऑटो में आए थे और बाइक के पास रुके थे। पीड़ित का शक है कि यही लोग उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामपुर फतेहपुर में बलवा करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दादरी । थाना दादरी पुलिस ने ग्राम रामपुर फतेहपुर में बलवा करने वाले एक आरोपी राहुल शर्मा पुत्र जगदीश शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि राहुल शर्मा को शनिवार को ग्राम रामपुर फतेहपुर के बाहर पेरीफेरल कट के पास से गिरफ्तार किया गया।

प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि इस मामले में पहले से संलिप्त छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साथ ही, आरोपी के अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

श्रीजी गौसदन में रजत जयंती पर होगी गोवर्धन पूजा और गोपाष्टमी उत्सव

नोएडा। सेक्टर-94 स्थित श्रीजी गौसदन अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर रजत जयंती कार्यक्रमों का आयोजन बड़े धूमधाम से कर रहा है। इसी श्रृंखला में गोवर्धन पूजा और गोपाष्टमी उत्सव मनाए जाएंगे।

संस्था के अध्यक्ष सीए विकास अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम 22 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे गौ पूजन और भजन-कीर्तन के साथ प्रारंभ होगा। इस पूजा में यजमान अक्षय कुमार गर्ग होंगे और संयोजक एन.के. अग्रवाल होंगे। दोपहर 12 बजे अन्नकूट प्रसाद का भंडारा होगा।

गोपाष्टमी उत्सव 29 अक्टूबर को सुबह 9 बजे मनाया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश उपाध्याय (अखिल भारतीय गौ रक्षा समिति एवं विश्व हिंदू परिषद) उपस्थित रहेंगे और मुख्य यजमान गौरव वार्ष्णेय होंगे। कार्यक्रम में डॉ. महेश शर्मा (सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री), पंकज सिंह (विधायक नोएडा), श्रीमती विमला बाथम (पूर्व विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष यूपी महिला आयोग), नवाब सिंह नागर (पूर्व विधायक) और कैप्टन विकास गुप्ता (राज्य मंत्री) भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवेंद्र गंगल करेंगे और संयोजक महेश बाबू गुप्ता होंगे। पत्रकार वार्ता में संस्था के अध्यक्ष सी.ए. विकास अग्रवाल के अलावा महासचिव सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, डॉ. एम.के. अग्रवाल, डॉ. टी.एन. गोविल, एन.के. अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजीव गोयल, टी.एन. चौरसिया, राकेश शर्मा और विनोद गुप्ता उपस्थित थे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

यूपी में भी हो सकता था राजस्थान जैसा कांड, एक्सप्रेसवे पर जल उठी बस; सवार थे 50 यात्री

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। राजस्थान जैसा कांड यूपी में भी हो सकता था। गनीमत रही कि आग अंदर तक नहीं पहुंची और करीब 50 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निजी बस पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही थी और उसमें करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि बस जब यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से गुजर रही थी, तभी उसकी छत पर रखे सामान में भीषण आग लग गई। चालक ने आग का पता चलते ही बस रोक दी और यात्री बाहर आ गए। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, दिवाली से पहले की जा रही आतिशबाजी की वजह से चिंगारी चलती बस की छत पर गिरी जिसके कारण आग लग गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसके साथ राजस्थान में हुए हादसे का जिक्र करते हुए यात्रियों की जान बचने पर ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक एसी बस में आग लग जाने से 21 यात्रियों की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई तो एक दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए।

जुबिन गर्ग मौत मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन, कहां तक पहुंची जांच; सीएम सरमा ने बताया

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सिंगर जुबिन गर्ग की मौत मामले को लेकर फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। उन्होंने केस की जांच और उनकी स्मृति में स्मारक बनाने को लेकर कई अहम फैसलों की घोषणा भी की। सरमा ने कहा, हमने एक शक्तिशाली समिति का गठन किया है, जो जुबिन गर्ग के समाधि स्थल के डिजाइन और ड्राइंग को मंजूरी देगी। इसमें उनकी पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग के साथ-साथ उनके परिवार और दोस्त शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि फास्ट-ट्रैक कोर्ट गठित करने का फैसला लिया गया है, क्योंकि एसआईटी ने हमें भरोसा दिलाया है कि वे समय पर चार्जशीट दाखिल कर सकेंगे। स्कुअ ने इस मामले में बहुत सराहनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा, फास्ट-ट्रैक कोर्ट के साथ-साथ हमने असम के महाधिवक्ता की सिफारिश पर विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का फैसला किया है। हम सिंगापुर सरकार के भी आभारी हैं, जिन्होंने असम पुलिस दल को 21 अक्टूबर को सिंगापुर जाने की इजाजत दी। यह असम सरकार की लगातार मांग थी। उन्होंने आगे बताया, मैंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की, जिन्होंने तुरंत सिंगापुर अधिकारियों से बात की और असम पुलिस दल को सिंगापुर जाने की अनुमति न मिलने पर मेरी चिंता जताई। डॉ. जयशंकर के हस्तक्षेप के कारण सिंगापुर ने असम पुलिस दल के दौरे को मंजूरी दे दी। सीएम सरमा ने बक्सा जिला जेल के बाहर हुई हिंसा पर भी प्रतिक्रिया दी, जहां जुबीन गर्ग की मृत्यु के मामले में 5 आरोपियों को लाए जाने के बाद तनाव फैल गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आरोपियों को धुबरी या दीफू ले जा सकते थे, लेकिन इसमें पांच घंटे की यात्रा लगती। इसलिए पुलिस ने तुरंत फैसला लेते हुए बक्सा जेल को चुना, क्योंकि यहां आमतौर पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य रहती है और लोग बहुत सहयोगी हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह मामला जस्टिस सौमित्र सैकिया की जांच समिति के पास जाएगा और पता चलेगा कि इसमें किसकी चूक थी।

असम में सेना के कैंप पर ग्रेनेड से हमला, तीन जवान घायल; ट्रक से आए थे हमलावर

तिनसुकिया, एजेंसी। गुरुवार देर रात असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में जोरदार गोलीबारी और कई ग्रेनेड विस्फोटों की आवाजों ने स्थानीय निवासियों में दहशत फैला दी। यह घटना काकोपाथर सेना शिविर के पास हुई, जहां लगभग एक घंटे तक गोलीबारी की खबरें सामने आईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मध्यरात्रि के आसपास भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंके गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सेना के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद, सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और नागरिकों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों द्वारा इस्तेमाल किया गया एक ट्रक बाद में पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश के तेंगापानी क्षेत्र में पाया गया। हालांकि अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन प्रारंभिक जांच में संदेह उल्फा (इंडिपेंडेंट) गुट की ओर जाता है, जिसका ऊपरी असम में इस तरह के हमलों का इतिहास रहा है।

दिल्ली के बाजारों में खुलेआम बिक रहे बैन पटाखे, लाइसेंस तक लेने को तैयार नहीं कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दीवाली की चमक के बीच पटाखों का बाजार गर्म है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के ताजा नियमों ने इस बार व्यापारियों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। कोर्ट ने दीवाली के लिए ग्रीन पटाखों की बिक्री को हरी झंडी दी, लेकिन दिल्ली के व्यापारी इस मौके को भुनाने में ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहे। गुरुवार को शुरू हुई दो दिन की लाइसेंस प्रक्रिया में सिर्फ 15 व्यापारियों ने आवेदन किया। आखिर क्या है इस बेरुखी की वजह? चलिए समझते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फरमान और बाजार की बगावत : सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए 18 से 20 अक्टूबर तक का समय दिया है और इन्हें जलाने की इजाजत भी सिर्फ दो खास समय-सीमाओं में दी है- 19 और 20 अक्टूबर को सुबह 6 से 7 और रात 8 से 10 बजे। लेकिन दिल्ली के बाजारों में नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। सआदत बाजार से लेकर लाजपत नगर तक, सड़कों पर चकाचौंध करने वाले पटाखों की बिक्री जोरों पर है, वो भी बिना किसी लाइसेंस के। फुलझड़ियों से लेकर आसमान छूने वाले रॉकेट तक, सब कुछ खुलेआम बिक रहा है।

लाइसेंस की प्रक्रिया जटिल : लाइसेंस लेने की प्रक्रिया भी कोई आसान नहीं है। व्यापारियों को दिल्ली के 15 डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस में से किसी एक के पास आवेदन करना पड़ता है, साथ में ढेर सारे दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। जिसमें एफिडेविट, फायर डिपार्टमेंट से एनओसी, साइट प्लान और 200 रुपये का बैंक ड्राफ्ट शामिल है। इसके बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन से वेरिफिकेशन भी करवाना पड़ता है। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि इस प्रक्रिया को सिर्फ दो दिन में करना है। इसी वजह से दिल्ली के 15 पुलिस जिलों में से छह नई दिल्ली, साउथईस्ट, द्वारका, ईस्ट, नॉर्थवेस्ट और आउटर में एक भी आवेदन नहीं आया। सबसे ज्यादा आवेदन साउथवेस्ट जिले में आए, वो भी सिर्फ तीन।

ग्रीन पटाखों की कमी, नकली लेबल का खेल : बाजार में ग्रीन पटाखों की कमी भी व्यापारियों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। तीन दशकों से पटाखे बेच रहे सीलमपुर के एक थोक व्यापारी हरि शंकर ने कहा, लाइसेंस मिल भी जाए, तो ग्रीन पटाखे कहां से लाएं? थोक में सप्लाई ही नहीं है। मैंने तो आवेदन कर दिया, लेकिन ये बस एक जोखिम है। वहीं, कुछ व्यापारी नकली ग्रीन पटाखों के खेल में भी उलझे हैं। अधिकारियों का कहना है कि बाजार में नकली क्यूआर कोड और फर्जी लेबल वाले पटाखे खूब बिक रहे हैं।

ऑनलाइन ऑर्डर और छुप-छुपकर डिलीवरी : लाजपत नगर के एक व्यापारी ने बताया कि वो ऑनलाइन ऑर्डर भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को पता है कि दुकान में ज्यादा स्टॉक रखने से पकड़े जाएंगे। इसलिए हम स्टॉक छुपाते हैं और ग्राहकों को उनके घर या पास की जगह पर डिलीवरी देते हैं। आज ही 10 ऑर्डर मिल चुके हैं। ग्रेटर कैलाश के एक छोटे से स्टॉल वाले ने कहा, लोग कई दिनों से खरीद रहे हैं। अब लाइसेंस के लिए क्या भागदौड़ करें? पुलिस की कोशिशें और चुनौतियां दिल्ली पुलिस ने नियमों को लागू करने के लिए स्पेशल टीमें बनाई हैं। स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा, बैन किए गए पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल, चाहे ऑनलाइन हो या कूरियर से, सख्त कार्रवाई को बुलावा देगा।

लेकिन हकीकत में ये इतना आसान नहीं है। पिछले साल, जब पूरी तरह से पटाखों पर बैन था, तब भी लोग खुलेआम पटाखे जला रहे थे। एक हेड कांस्टेबल ने बताया, लोग गाजियाबाद और गुरुग्राम से पटाखे लाए। कुछ ने तो हम पर जलते हुए पटाखे तक फेंके जब हमने रोकने की कोशिश की। पुलिस ने मदद के लिए 24×7 हेल्पलाइन और 'ग्रीन क्रैकर सेल' भी शुरू किया है, लेकिन बाजार में अवैध बिक्री रुकने का नाम नहीं ले रही। सरोजिनी नगर के एक व्यापारी ने बताया कि उनका माल हफ्तों पहले हिसार से आ चुका है।

शिवसेना के मंत्री और विधायक ने भी विपक्ष के सुर में सुर मिलाया; मतदाता सूची में सुधार की मांग की

मुंबई, एजेंसी। मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने की विपक्ष की मांग के बीच सत्तारूढ़ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने भी इसी तरह की मांग की और चुनाव आयोग से दोहरी मतदाता सूची और उन लोगों के नाम हटाने को कहा जिनकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके नाम सूची में हैं। पत्रकारों से बातचीत में गायकवाड़ ने कहा कि मतदाता को आधार कार्ड और मृत्यु प्रमाण पत्र से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि मतदाता की मृत्यु के बाद उसका नाम तुरंत सूची से हटाया जा सके। गायकवाड़ ने पूछा, चुनाव आयोग दोहरी मतदाता सूची और उन लोगों के नाम क्यों नहीं हटा रहा है जिनके नाम मर जाने के बावजूद सूची में हैं? उन्होंने आगे कहा कि सूची में ऐसे मतदाता भी हैं जो 30 साल पहले जिले में रहते थे। उन्होंने ऐसे मतदाताओं की संख्या एक लाख बताई। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने 25 जुलाई को मतदाता सूची पर रोक लगा दी है, लेकिन उन लोगों का क्या होगा जो अंतिम तिथि के बाद मतदान के पात्र हुए हैं। रत्नागिरी में शिवसेना मंत्री योगेश कदम ने कहा कि अगर विसंगतियों को दूर करने की मांग है तो यह उनकी पार्टी की भी मांग होगी। गृह (शहरी) विभाग में राज्य मंत्री कदम ने कहा, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अगर मतदाता सूची में दोहरे मतदाता हैं तो चुनाव आयोग को

इसमें सुधार करना चाहिए। मुंबई में राकांपा (सपा) नेता रोहित पवार ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के प्रतिकूल परिणामों के बाद फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण, वास्तविक मतदाताओं का बड़ी संख्या में विलोपन और मतदाताओं का दोहरा पंजीकरण जैसी गड़बड़ियां हुई हैं। पवार ने दावा किया कि " गैर समर्थक" मतदाताओं को मृत दिखाया गया और मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी मतदान हुआ। राकांपा नेता ने बताया कि 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच 32 लाख मतदाता जुड़े, यानी प्रति वर्ष 6.5 लाख मतदाता या प्रति माह 54,000 मतदाता जुड़े। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में 48 लाख मतदाता जुड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के बाद उनके कर्जत जामखेड विधानसभा क्षेत्र में 14,292 मतदाताओं के नाम जोड़े गए, 5,360 नाम हटाए गए और 14,162 दोहरे नाम मतदाता सूची में डाले गए।

अगर पंडित नेहरू ने सरदार पटेल को छूट दी होती तो पीओके का जन्म ही ना होताः जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के कथित अतिक्रमण और पीओके को लेकर बीजेपी अकसर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की नीतियों को जिम्मेदार ठहराती रहती है। बीजेपी ने एक बार फिर पीओके को लेकर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में पाकिस्तान के खिलाफ एक तरफा सीजफायर का ऐलान ना किया होता तो क्षय का जन्म ही ना होता। उन्होंने कहा कि अगर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के हाथ में होता तो जम्मू-कश्मीर में यह स्थिति कभी ना बनती। जितेंद्र सिंह ने कहा, अन्य रियासतों की तरह अगर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने सरदार वल्लभभाई पटेल को छूट दी होती तो पीओके का जन्म ही ना होता और भारत व जम्मू-कश्मीर का इतिहास कुछ और ही होता। बता दें कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुरुवार को एकता यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए उन्होंने यह बात कही। सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने संघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर 560 रियासतों को एकत्रित कर दिया और भारत राष्ट्र का हिस्सा बना दिया। उन्होंने कहा, सरदार पटेल ने ट्राइबल रेड के दौरान श्रीनगर तक वायुसेना भेज दी थी। बता दें कि अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान ने आदिवासियों की मदद से जम्मू-कश्मीर रियासत पर कब्जा करने की नीयत से लूटपाट का रास्ता अपनाया था। हिंदुओं पर जमकर अत्याचार किए गए। तब जम्मू-कश्मीर के महाराजा ने भारत से मदद मांगी। भारत सरकार ने अपनी वायुसेना जम्मू-कश्मीर भेज दी।

सिंह ने कहा, भारतीय सेना पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए जम्मू-कश्मीर के हिस्से को वापस लेने ही वाली थी कि नेहरू ने एकतरफा सीजफायर का ऐलान कर दिया। इसी वजह से पीओके पैदा हो गया। उन्होंने कहा, सरदार पटेल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र प्रथम के विचार को लेकर चरते थे और वह कभी नहीं चाहते थे कि जम्मू-कश्मीर के किसी हिस्से पर पाकिस्तान का कब्जा रह जाए।

आप के सौरभ भारद्वाज ने छठ से पहले दिल्ली में यमुना सफाई पर सीएम को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने छठ पूजा से पहले यमुना नदी की सफाई के तरीकों को लेकर दिल्ली की भाजपा सरकार पर पाखंड करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा ने पहले नदी की सफाई के लिए केमिकल के इस्तेमाल का विरोध किया था, लेकिन अब खुद वही तरीके अपना रही है। सौरभ भारद्वाज ने याद दिलाया कि 2022 में छठ पूजा से पहले अरविंद केजरीवाल सरकार ने यमुना नदी से झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था, जिससे छठ पूजा करने वालों के लिए साफ वातावरण सुनिश्चित हुआ। हालांकि, तब भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने इन केमिकल को 'जहरीला' बताते हुए इसकी आलोचना की थी। 'आप' के दिल्ली अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री जिस तरह से दिल्ली की जनता से झूठ बोल रही हैं, हमने उसका पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया है। 2022 में छठ पूजा से पहले, जब अरविंद केजरीवाल की सरकार ने

यमुना में झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था तो प्रवेश वर्मा वहां आए और कहा कि यह केमिकल यमुना को जहरीला बना देगा। भारद्वाज ने आगे कहा, आज, वही केमिकल जिसे उन्होंने दो साल पहले जहरीला बताया था... वही केमिकल दिल्ली जल बोर्ड ने एक टेंडर के जरिये मंगवाया है। भारद्वाज ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ने इस 'झूठ का पूरी तरह से पर्दाफाश' कर दिया है कि कैसे 2022 में छठ पूजा से पहले यमुना की सफाई के प्रयासों को लेकर भाजपा नेताओं ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठा निशाना बनाया था। भारद्वाज ने कहा, इस तरह, उनका झूठ उजागर हो गया है, द्वेष के कारण, उन्होंने छठ भक्तों को परेशान करने के लिए दिल्ली सरकार को झाग हटाने की अनुमति नहीं दी थी ताकि झाग बने रहें और छठ पूजा न मनाई जाए। 'आप' नेता का यह बयान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा गुरुवार को कालिंदी कुंज छठ घाट पर आगामी छठ पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के बाद आया है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि राजधानी में छठ पर्व मनाने वाली महिलाएं इस वर्ष गंदगी रहित और झाग मुक्त यमुना में सूर्य देव की पूजा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के उपायों से नदी की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

25 से 28 अक्टूबर तक होगा छठ महोत्सव : छठ पर्व शनिवार, 25 अक्टूबर को नहाय खाय के साथ शुरू होगा। छठ पूजा का दूसरा दिन खरना कहलाता है, जो 26 अक्टूबर को है। डूबते सूर्य को अर्घ्य 27 अक्टूबर को और उगते सूर्य को अर्घ्य 28 अक्टूबर को दिया जाएगा।

दलित हरिओम के परिवार से मिले राहुल गांधी

रायबरेली, एजेंसी। यूपी के रायबरेली में भीड़ हिंसा में मारे गए दलित हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुलाकात करने फतेहपुर पहुंचे। घर पहुंचे राहुल गांधी से दलित हरिओम वाल्मीकि का परिवार मिला। हरिओम वाल्मीकि के परिवार से राहुल गांधी ने बातचीत की। राहुल गांधी के पहुंचने से पहले हरिओम के परिवार का बयान वायरल हुआ था। बयान में कहा गया कि वह राजनीति नहीं चाहते। वह कार्रवाई संतुष्ट हैं। परिवार ने राहुल से मिलने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी के पहुंचने से पहले विरोध में पोस्टर भी लगाए थे। कहा परिवार को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस कोर्ट तक पीड़ित परिवार की मदद करेगी। परिजनों ने अभी तक पुलिस पकड़ से दूर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। राहुल ने यह भी कहा कि सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन ने उन्हें हरिओम वाल्मीकि के पिता से मिलने न देने का प्रयास किया।

क्या नीतीश कुमार को मिलेगा एक और मौका? अमित शाह और गडकरी के बयान से सस्पेंस

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में जारी विधानसभा चुनावके बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेताओं के बयान सामने आने लगे हैं। पहले नितिन गडकरी और अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाने को लेकर जुड़े एक सवाल का जवाब दिया है। इसके बाद से जेडीयू के मुखिया के फिर से बिहार की संभालने को लेकर सस्पेंस बन गया है। हालांकि, अमित शाह ने यह जरूर कहा है कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है।

आज तक के एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि बिहार के अगले मुख्यमंत्री का फैसला विधानसभा चुनाव के बाद विधायक दल के नेता

करेंगे। यह पूछे जाने पर कि विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत होने पर क्या नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, शाह ने कहा, मैं कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला? गठबंधन में बहुत सारे दल हैं। चुनाव के बाद जब हम सभी एक साथ बैठेंगे तो पार्टियों के नेता अपना नेता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। नीतीश कुमार हमारे गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि न केवल बीजेपी को नीतीश कुमार पर पूरा भरोसा है, बल्कि बिहार की जनता ने भी उनके नेतृत्व पर भरोसा किया है। एक दूसरे सवाल के जवाब उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा में भाजपा के अधिक विधायक होने के बाद भी नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने कहा, और अभी भी नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री हैं। अमित शाह ने नीतीश कुमार को देश की राजनीति की अहम धुरी बताते हुए कहा कि वह कभी कांग्रेस के साथ नहीं रहे। उन्होंने कहा, वह कभी भी ढाई साल से ज्यादा कांग्रेस में नहीं रहे। एक नेता के रूप में उनका मूल्यांकन करने से पहले किसी को उनके पूरे राजनीतिक करियर पर नजर डालनी चाहिए। अमित शाह की तरह एक अलग कार्यक्रम में नितिन गडकरी से भी यही सवाल पूछ गया।

महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री, करनी छाप को 3 सीटें मिलने का दावा; सहरसा से लड़ेंगे आईपी गुप्ता

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के करनी छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ाने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे। बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तता, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी। अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल

महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं। बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से है। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है। बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है।

सीमा विवाद पर भारत ने खुलकर किया अफगानिस्तान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा विवाद के बीच भारत ने अफगानिस्तान का खुलकर समर्थन किया है। भारत ने कहा कि इस्लामाबाद का इतिहास ही आतंक से जुड़ा रहा है। वहीं वह अपनी विफलता के लिए पड़ोसियों पर दोषारोपण करता रहता है। बता दें कि पिछले सप्ताह पाकिस्तान ने काबुल समेत अफगानिस्तान के कई शहरों पर उस समय एयरस्ट्राइक कर दी जब तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत की यात्रा पर आए थे। वहीं मुत्ताकी ने भारत को आश्वासन देते हुए कहा कि वह कभी भी अफगान धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने कहा कि भारत अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी तनाव की स्थिति बनी है वह इस्लामाबाद की वजह से ही बनी है। जैसवाल ने कहा. भारत पूरी तरह से अफगानिस्तान की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय ने गिनाईं पाकिस्तान की तीन आदतें : उन्होंने कहा, तीन बातें एकदम स्पष्ट हैं। पहली यह कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है और आतंकी गतिविधियों में मदद करता है। दूसरा, पाकिस्तान हमेशा से ही अपनी असफलताओं के लिए पड़ोसियों पर दोष लगाता रहा है। तीसरी बात, पाकिस्तान को यह रास नहीं आ रहा है कि अफगानिस्तान अपनी अखंडता को मजबूत कर रहा है और विकास के रास्ते पर है।

जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने एक तालिबान कमांडर को मारने के लिए अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। हालांकि बाद में कमांडर का ऑडियो मेसेज सामने आया जिसमें उसने जीवित होने का

दावा किया है। वहीं इस एयरस्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बॉर्डर पर गोलीबारी शुरू हो गई। तालिबान ने सीमा पर 58 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया था। अफगानिस्तान के स्पिन बोल्टैक क्षेत्र के प्रशासन ने दावा किया था कि इस झड़प में कम से कम 40 अफगान नागरिक भी मारे गए हैं। बताया गया कि 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबानी शासन का कब्जा होने के बाद से कभी डूरंड लाइन पर इस तरह की हिंसा नहीं हुई। पाकिस्तान की मांग है कि अफगानिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान जैसे संगठनों से निपटना चाहिए और उसे पनाह नहीं देनी चाहिए। वहीं तालिबान का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना दुष्प्रचार कर रही है और इस्लामिक स्टेट से जुड़े संगठनों को पनाह देती है। जैसवाल ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत की जल्द ही रणनीतिक उपस्थिति होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि काबुल में जल्द ही भारत का दूतावास फिर से खुलेगा। काबुल के टेक्निकल मिशन को फिर से दूतावास में तब्दील कर दिया जाएगा।

म्यूजियम ऑफ सॉल्यूशंस ने व्रूम का उद्घाटन किया

● प्लनेट ऑटो के साथ साझेदारी में बच्चों के लिए डिज़ाइन की गई भारत की पहली ऑटो प्रदर्शनी

मुंबई, एजेंसी।
द म्यूजियम ऑफ सॉल्यूशंस ने व्रूम का अनावरण किया है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया भारत का पहला गहन ऑटोमोटिव अनुभव है। द म्यूजियम ऑफ सॉल्यूशंस द्वारा संकल्पित और प्लनेट ऑटो के साथ साझेदारी में निष्पादित, यह प्रदर्शनी अपनी तरह की एक अनूठी पहल है जो युवा मस्तिष्कों और वयस्कों को ऑटोमोबाइल की दुनिया में कदम रखने के लिए आमंत्रित करती है, न केवल दर्शकों के रूप में, बल्कि हाथों से सीखने वालों और जिज्ञासु समस्या-समाधानकर्ताओं के रूप में।

6,000 वर्ग फुट में फैला, व्रूम संग्रहालय के एक पूरे तल को एक लिविंग गैरेज में बदल देता है, जो एक गतिशील खेल का मैदान है जहाँ

जिज्ञासा सृजन से मिलती है। विज्ञान, डिज़ाइन और नवाचार के लिए आजीवन प्रेम जगाने के लिए डिज़ाइन की गई, प्रदर्शनी में इंटरैक्टिव ज़ोन, कार्यशील मॉडल और वास्तविक इंजीनियरिंग अनुभव शामिल हैं, जिसका हर कोना एक आगंतुक को समझने, सुधार करने और सपने देखने के लिए प्रेरित करता है। मोटुल इलेक्ट्रिकल बे को ऊर्जा प्रदान करता है, जो उच्च-प्रदर्शन इंजन तेलों के पीछे के विज्ञान और सटीकता को प्रदर्शित करता है, जबकि डब्ल्यूआईएए प्रदर्शन के लिए दुनिया की कुछ बेहतरीन विंटेज कारों को लाकर और पूरी प्रदर्शनी के दौरान सड़क सुरक्षा के बारे में आगंतुकों को शिक्षित करके व्रूम को बेहतर बनाता है। साथ में, ये भागीदार व्रूम को एक हैंड्स-ऑन खेल के मैदान में बदल देते हैं जहाँ जिज्ञासा, सीखना और नवाचार हर मोड़ पर मिलते हैं।

समर्थन से जीवंत हो उठता है

व्रूम अपने नवाचार भागीदारों के समर्थन से जीवंत हो उठता है, जिनमें से प्रत्येक अनुभव में अपनी विशेषज्ञता और विरासत जोड़ रहा है। ऑटोमोबाइल का इतिहास मर्सिडीज-बेंज से शुरू होता है और आगंतुकों को इस प्रदर्शनी में दुनिया की पहली ऑटोमोबाइल - आइकॉनिक बेंज पेटेंट-मोटरवेगन - को एक रोमांचक एएमजी कार के साथ देखने का अवसर मिलेगा। मर्सिडीज-बेंज इंडिया मैकेनिकल बे को भी शक्ति प्रदान करता है, जिससे आगंतुक वास्तविक कारों के नीचे रेंग सकते हैं, एक इलेक्ट्रिक कार के घटकों का पता लगा सकते हैं, और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को देख सकते हैं।

एआई+ स्मार्टफोन ने पेश किया स्पार्कल रेड

नई दिल्ली एजेंसी। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के एआई+ स्मार्टफोन ने अपने पल्स और नोवा 5जी मॉडलों में नया स्पार्कल रेड रंग संस्करण पेश किया है। भारत के त्योहारों की जीवंतता से प्रेरित यह नया रंग एआई+ स्मार्टफोन रेंज में एक साहसिक, ऊर्जावान रूप लाता है, जो इसके उपयोगकर्ताओं के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को दर्शाता है। स्पार्कल रेड संस्करण यह दर्शाता है कि एआई+ स्मार्टफोन किसके लिए खड़ा है- व्यक्तिगतता, उद्देश्य और लंबे समय तक टिकने वाला प्रदर्शन, एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ और नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माधव शेठ ने कहा। हमारा लक्ष्य ऐसी तकनीक बनाना है जो आत्मविश्वास जगाए और भारतीय उपयोगकर्ताओं को नियंत्रण वापस दे – खूबसूरत डिज़ाइन को भरोसेमंद प्रदर्शन के साथ जोड़ते हुए। नेक्स्टक्वांटम ओएस द्वारा संचालित, जो भारत का पहला संप्रभु मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम है, एआई+ स्मार्टफोन यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं को अपने व्यक्तिगत डेटा पर पूर्ण नियंत्रण हो। हर डिवाइस में नेक्स्टप्राइवेसी डैशबोर्ड शामिल है – एक रीयल-टाइम प्राइवेसी कंट्रोल सेंटर जो दिखाता है कि कौन-से ऐप्स आपके कैमरा, माइक, गैलरी या लोकेशन तक पहुंच रहे हैं, और उपयोगकर्ताओं को तुरंत एक्सेस रद्द करने की अनुमति देता है। बिना किसी छिपे ट्रैकर या ब्लोटवेयर के, सभी डेटा भारत के भीतर सुरक्षित रूप् से संग्रहीत रहता है।

कॉकरोच को गलत तरीके से मारना, आपके स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकता है

मुंबई, एजेंसी। डॉ. मुकेश संकलेचा, कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन, बॉम्बे हॉस्पिटल इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज ने कहा कि हो सकता है कि आप कॉकरोच को अक्सर न देखें, लेकिन वे वहीं हैं - रसोई की अलमारियों के पीछे, सिंक के नीचे या रात में बाहर रेंगते हुए। कॉकरोच सिर्फ गंदे दिखने वाले कीड़े ही नहीं हैं; वे बीमारियों के ख़ामोश वाहक और आपके परिवार के स्वास्थ्य के लिए संभावित खतरा हैं। उन्हें जल्दी से छुटकारा पाने के चक्कर में, हम अक्सर फ़ायदे से अधिक नुकसान कर बैठते हैं। लेकिन सबसे खतरनाक बात यह है कि कॉकरोच को मारने का गलत तरीक़ा, कीड़े से अधिक नुकसानदेह हो सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि वे ई. कोली , साल्मोनेला और स्टैफ़ाइलोकोकस ऑरियस जैसे हानिकारक रोगाणुओं को फैला सकते हैं। जब हम उन्हें कुचलते हैं, ख़ासकर नंगे हाथों, पैरों या घर के औजारों से, तो हम इन बैक्टीरिया को फर्श और दीवारों पर फैलाने का जोखिम उठाते हैं। जिन कॉकरोचों को हम मारते हैं, वे संक्रमण का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा हैं। छुपी हुई कॉलोनियां और अंडे बिना छुए रह जाते हैं और कुछ ही दिनों में फिर से बढ़ जाते हैं। उनसे निपटने के लिए, कुछ लोग बिना जांच-परख वाले सस्ते प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, जिससे एलर्जी की प्रतिक्रियाएं और स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। कुछ लोग कॉकरोच या कीट-पतंगों को भगाने के लिए अगरबत्ती पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वे बिलकुल भी सुरक्षित नहीं हैं। अध्ययनों से पता चला है कि ऐसी अगरबत्तियां हानिकारक कैंसर पैदा करने वाले पदार्थ छोड़ती हैं। छोटे या ख़राब हवादार घरों में, यह धुआं, ख़ासकर बच्चों और बुज़ुर्गों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है।

कैसे एक कमरे से बनी अरबों डॉलर की कंपनी

लेंसकार्ट आईपीओ पियूष बंसल को बना सकता है अरबपति

नई दिल्ली, एजेंसी।
लगभग 15 साल पहले पियूष बंसल ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर लिंक्डइन पर रिश्ते बनाए और वहीं से लेंसकार्ट की नींव रखी। आज यह एक अरबों डॉलर की कंपनी बन चुकी है। 41 वर्ष की उम्र में, यह भारतीय उद्यमी और टीवी शो शार्क टैंक के जज अब एक अरबपति बनने की दहलीज पर हैं। कंपनी अगले महीने शेयर मार्केट में आईपीओ लाने की तैयारी में है, जिसकी संभावित वैल्यू करीब 9 अरब डॉलर बताई जा रही है। इस हिसाब से बंसल की हिस्सेदारी लगभग 800 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है, और अगर कंपनी के शेयर लिस्टिंग के दिन 25 प्रतिशत तक बढ़ते हैं, तो यह मूल्य 1 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है।

पैसा, मुनाफा और भरोसे की कहानी: बंसल का कहना है कि वे उन शुरुआती उपभोक्ता-टेक कंपनियों से अलग हैं जो घाटे में चल रही थीं। लेंसकार्ट ने मार्च 2025 को खत्म हुए वित्त वर्ष में अपना पहला सालाना मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी का कारोबार गुरुग्राम से संचालित होता है और यह ऑनलाइन व रिटेल स्टोर्स दोनों माध्यमों से चश्मे बेचती है।

शार्क टैंक से मिली पहचान: टीवी शो शार्क टैंक इंडिया के जज के रूप में बंसल ने देशभर में लोकप्रियता हासिल की है। उनके इंस्टाग्राम पर 9 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। वे कहते हैं कि कारोबार में उनकी सबसे बड़ी ताकत समय की समझ और दृढ़ता है। मजाक में वे बताते हैं कि वे और उनके सह-संस्थापक अमित चौधरी हर हफ्ते एक दिन नए विचारों पर चर्चा करते हैं और उनके अनुसार, हमारा

हिट रेट लगभग 50 प्रतिशत है, यानि सिक्का उछलने जितना बेहतर नहीं!

शुरुआती कदम और शिक्षा

मैकगिल यूनिवर्सिटी मॉन्ट्रियल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, बंसल ने अमेरिका के रेडमंड में माइक्रोसॉफ्ट में अपना करियर शुरू किया, लेकिन जल्द ही वे भारत लौट आए और अपना खुद का बिजनेस शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने एक स्टूडेंट हाउसिंग प्लेटफ़ॉर्म शुरू किया, लेकिन आगे चलकर उन्होंने भारतीयों के विजन केयर की बड़ी कमी को पहचाना और इसी दिशा में कदम बढ़ाया। साथियों के साथ लेंसकार्ट की शुरुआत की। आज कंपनी डिजाइन से लेकर निर्माण और डिलीवरी तक अपने पूरे सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखती है । लेंसकार्ट फिलहाल 2,723 स्टोर्स चला रही है, जिनमें भारत, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया शामिल हैं। कंपनी की करीब 40 प्रतिशत आमदनी भारत के बाहर से आती है। आईपीओ से जुटाए गए फंड से वह नई स्टोर्स खोलने, एआई और टेक निवेश बढ़ाने, और कुछ अधिग्रहण करने की योजना बना रही है।

मराल्ड फाइनेंस का मुनाफा एच1 एफवाय26 में 120 प्रतिशत उछला

मुंबई। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड , जो भारत में अपने प्रमुख उत्पाद अर्ली वेज एक्सेस सहित विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। मराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही एमराल्ड फाइनेंस के लिए एक और मजबूत तिमाही रही, जो हमारे प्रमुख व्यवसाय क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि की गति को दर्शाती है। हमने अब तक अपने अर्न्ड वेज एक्सेस प्लेटफॉर्म पर 145 कॉर्पोरेट्स को जोड़ा है और सफलतापूर्वक 'एमराल्ड इडब्ल्यूए' मोबाइल ऐप को गूगल प्ले पर लॉन्च किया है, जिससे हमारे कॉर्पोरेट पार्टनर्स और उनके कर्मचारियों के लिए डिजिटल पहुँच और बेहतर हुई है। हमारा गोल्ड लोन सिंडिकेशन व्यवसाय भी अच्छी गति से बढ़ रहा है, और वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 115 करोड़ से अधिक का वितरण किया गया है। यह हमारे पार्टनर्स के बढ़ते विश्वास और हमारे एसेट-लाइट, टेक्नोलॉजी-चालित मॉडल की विस्तार क्षमता को दर्शाता है।

भारत की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र डिजिटल अपनाने, बढ़ती औपचारिक क्रेडिट पहुंच और नीति-चालित समावेशन पहलों के समर्थन से मजबूत विकास का अनुभव कर रहा है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां और फिनटेक इस विकास की अग्रिम पंक्ति में हैं, और एमराल्ड अपनी तकनीक-प्रेरित, एसेट-लाइट मॉडल और समावेशी वित्तीय दृष्टिकोण के माध्यम से इस परिदृश्य में अच्छी स्थिति में है।

हमारे कई प्रमुख ग्राहक पिछले पांच वर्षों से भी अधिक समय से हमारे साथ जुड़े हुए हैं: चंदर बिंदल

मुंबई। चंदर बिंदल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, तेजस कार्गो इंडिया लिमिटेड के साथ साक्षात्कार ने कहा कि हमारी कहानी एकदम शुरुआत से निर्माण करने की है। हमने छोटे स्तर से शुरूआत की – बाजार से बेड़े (फ्लीट) को एकत्रित किया और धीरे-धीरे ग्राहकों का विश्वास जीतना शुरू किया। 2014 में हमें एक निर्णायक मोड़ मिला, जब हमने अपनी पहली 10 कंपनी-स्वामित्व वाली ट्रकें खरीदीं। इसके बाद हमने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज हमारे पास पूरे भारत में 1,199 से अधिक पूर्ण रूप से कंपनी के स्वामित्व वाले ट्रक और ट्रेलर हैं, जो ई-कॉमर्स, एक्सप्रेस कार्गो, स्टील, सीमेंट, एफएमसीजी , और एफएमसीडी जैसे विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं दे रहे हैं। हमने जानबूझकर एसेट-हैवी मॉडल को अपनाया क्योंकि बेड़े पर प्रत्यक्ष नियंत्रण हमें बेहतरीन भरोसेमंद सेवाएं, उच्च गुणवत्ता और लागत प्रभावशीलता प्रदान करता है। हमारी लगभग 95 प्रतिशत आय बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों से आती है, जिनके साथ हमारे 1 से 4 वर्षों के वार्षिक अनुबंध होते हैं। हमारे कई प्रमुख ग्राहक पिछले पांच वर्षों से भी अधिक समय से हमारे साथ जुड़े हुए हैं।

हमारी सबसे बड़ी खासियत है स्वामित्व और तकनीक। जबकि इस उद्योग में कई कंपनियाँ तीसरे पक्ष के बेड़े पर निर्भर रहती हैं, हमारा एसेट-हैवी मॉडल सेवा की विश्वसनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। इसे और मजबूत बनाता है हमारा स्वदेशी इन-हाउस इआरपी सिस्टम, जो पूरे लॉजिस्टिक्स चक्र को संभालता है – ऑर्डर प्राप्त करने से लेकर बिलिंग और भुगतान तक। हमारा केंद्रीकृत 24×7 कंट्रोल टावर आइओटी डिवाइसेज़, एडीएएस, जियो-फेंसिंग और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम्स से जुड़ा है, जिससे उच्च स्तर की सुरक्षा और लगभग 85 प्रतिशत बेड़े की उपयोगिता सुनिश्चित होती है। इन प्रक्रियाओं की दक्षता का सीधा असर डिलीवरी समय पर पड़ता है – उदाहरण के लिए, हम दिल्ली से बेंगलुरु का माल सिर्फ 44 घंटों में पहुंचाते हैं, जबकि उद्योग में यह समय आमतौर पर 70 से 80 घंटे होता है।

हमारे कुल राजस्व का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सीमेंट, स्टील, एफएमसीजी, एक्सप्रेस कार्गो और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों की बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों से आता है। विविधीकरण के तहत हम कोयला और फ्लाई ऐश परिवहन, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल लॉजिस्टिक्स, और यहां तक कि रेल आधारित लॉजिस्टिक्स में भी सक्रिय रूप से प्रवेश कर रहे हैं। हम प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माताओं के साथ कार कैरियर सेवाओं के लिए बातचीत कर रहे हैं, जो हमारे लिए एक नया और बड़ा वर्टिकल खोल सकता है। हमारे ड्राइवर हमारे व्यवसाय के केंद्र में हैं। हमारे साथ 2,000 से अधिक ड्राइवर जुड़े हुए हैं, और हम उनकी प्रशिक्षण, सुरक्षा और कल्याण में लगातार निवेश करते हैं।

जियो फाइनेंस, इंफोसिस और टाटा ग्रुप के शेयरों पर आज रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान जिंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान जिंक, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर आज फोकस में रहेंगे, क्योंकि कंपनियां आज दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। इन कंपनियों के शेयरों में निवेशकों की खास निगाह रहेगी। इनके अलावा इंफोसिस, विप्रो, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, वारी एनर्जीज, टाटा स्टील, मेट्रो ब्रांड्स, अशोक लीलैंड, जी एंटरटेनमेंट और बीईएमएल के शेयर भी अपने विभिन्न अपडेट्स की वजह से फोकस में रहेंगे। इंफोसिस ने दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी की तिमाही राजस्व वृद्धि 2.2 प्रतिशत रही और उसने पूरे वित्त वर्ष के लिए राजस्व वृद्धि अनुमान 2-3 प्रतिशत

तक बढ़ा दिया है, जबकि ईबीआईटी मार्जिन आउटलुक को 20-22 प्रतिशत के बीच रखा है। विप्रो ने 22,641 करोड़ का राजस्व दर्ज किया, जो तिमाही-दर-तिमाही 2.5 प्रतिशत की बढ़त है। इसका आईटी ईबीआईटी 6 प्रतिशत बढ़कर 3,783 करोड़ तक पहुंच गया, और ऑपरेटिंग मार्जिन 16.7 प्रतिशत पर रहा। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का राजस्व साल-दर-साल 41 प्रतिशत बढ़कर 981.4 करोड़ पर पहुंच गया, जिसमें लोन, एसेट मैनेजमेंट और पेमेंट सर्विसेज का योगदान मजबूत रहा। सौर ऊर्जा कंपनी वारी एनर्जीज ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी शुद्ध लाभ 133 प्रतिशत उछलकर 842 करोड़ हो गई। टाटा स्टील ने एयर वाटर इंडिया के साथ जमशेदपुर में एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू) के संचालन और रखरखाव को लेकर लंबी अवधि का करार किया है। बीईएमएल ने रक्षा और एयरोस्पेस इंडस्ट्री के लिए अपग्रेडेड कंपोजिट प्रोडक्ट को लेकर किनेको लिमिटेड के साथ समझौता किया है। फुटवियर कंपनी मेट्रो ब्रांड्स का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 4.2 प्रतिशत घटकर 69 करोड़ रहा, हालांकि इसका राजस्व 11.2 प्रतिशत बढ़कर 651 करोड़ पहुंचा।

क्यू2 रिजल्ट से निवेशक निराश, 16 एक्सपर्ट्स की बेचने की सलाह

4.50 प्रतिशत टूटा यह दिग्गज आईटी स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड के शेयरो में 4.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट शुक्रवार की सुबह देखने को मिली है। जिसके बाद कंपनी के शेयरों का भाव 242 रुपये तक आ गया। कंपनी के शेयरों में इस गिरावट के पीछे की वजह तिमाही नतीजे को माने जा रहा है। विप्रो लिमिटेड ने गुरुवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। रिपोर्ट के अनुसार 47 में से 16 एक्सपर्ट्स ने विप्रो के शेयरों को बेचने की सलाह दी है। वहीं, इस बिकवाली के बीच भी 13 एक्सपर्ट्स इस पर दांव लगाने की बात कह रहे हैं। 18 एक्सपर्ट्स ने विप्रो के मौजूदा निवेशकों को होल्ड की करने की बात कही है।

नोमुरा ने दी है खरीदने की सलाह

ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने 280 रुपये का टारगेट प्राइस विप्रो के लिए सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस ने आईटी कंपनी को खरीदने की सलाह दी है। इस ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि विप्रो लिमिटेड के शेयर कई पैरामीटर को तोड़ने में सफल रहे हैं।

जेफरिज का मानना है कि गिरेगा भाव: ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस ने 220 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जोकि कंपनी के 52 वीक लो लेवल 225 रुपये से भी कम का है। जेफरिज ने अंडरपरफॉर्म की रेटिंग दी है।

नेट प्रॉफिट में मामूली इजाफा

आईटी कंपनी का नेट प्रॉफिट सितंबर तिमाही के दौरान 3246.20 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले विप्रो लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 3208.80 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में मामूली सा इजाफा हुआ है। जुलाई से सितंबर के दौरान इस कंपनी का रेवन्यू 22697.30 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत ही बढ़ा है।

भारत में 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान यूपीआई के जरिए

बोले आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में करीब 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए होता है। देश समावेशी, सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) के मामले में एक उदाहरण बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वाशिंगटन में यह बात कही।

भारत में करीब 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए होता है। देश समावेशी, सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) के मामले में एक उदाहरण बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही। मल्होत्रा ने मंगलवार को वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक और

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक के अवसर पर आरबीआई की ओर से आयोजित डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से आर्थिक लचीलापन लाने से जुड़े से कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, डीपीपी समावेशी विकास और नवाचार के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन गए हैं। आरबीआई गवर्नर ने डिजिटल पहचान (आधार) और वास्तविक समय भुगतान (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस - यूपीआई) के लिए आधारभूत प्लेटफार्मों ने सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है कि बड़े पैमाने पर लचीली, लागत-कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली कैसे बनाई जाए।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने भारत के डीपीपी पारिस्थितिकी तंत्र और डिजिटलीकरण व वित्तीय समावेशन, विशेषकर सरकारी हस्तांतरण भुगतान में उनकी भूमिका के बारे में भी बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वसुधैव कुटुम्बकम की सच्ची भावना के साथ, भारत डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए ऐसे प्लेटफार्मों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारे लिए मार्गदर्शक सिद्धांत यह रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसे प्लेटफॉर्मों का निर्माण सार्वजनिक हित के रूप में किया जाए, जिनमें उपयुक्त सुरक्षा कवच हो और लाभ की कोई मंशा न हो।

सेबी से क्लीन चिट मिलते ही अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों को खरीदने की होड

एलआईसी और जीक्यूजी ने बढ़ाई हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी।
हिंडनबर्ग के मामले में सेबी से क्लीन चिट मिलने के बाद अडानी ग्रुप पर निवेशकों को भरोसा फिर से बढ़ने लगा। समूह की लिस्टिंग कंपनियों में हाल के समय में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। इस दौरान कई दिग्गज निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियों में अडानी ग्रुप की कंपनियों को जोड़ा है। जीक्यूजी पार्टनर ने अपनी अडानी ग्रुप की कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई है। सितंबर 2025 की शेयरहोल्डिंग में यह बात सामने आई है। एसीसी लिमिटेड में जीक्यूजी लिमिटेड ने अपनी हिस्सेदारी 4.57 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.70 प्रतिशत कर दिया है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड में अब जीक्यूजी पार्टनर की कुल हिस्सेदारी 4.21 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले यह 4.16 प्रतिशत थी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में जीक्यूजी पार्टनर का हिस्सा 3.52 प्रतिशत हो गया है। पहले यह 3.40 प्रतिशत था। इन सबके अलावा अडानी ग्रुप की कंपनी अम्बुजा सीमेंट में जीक्यूजी पार्टनर की हिस्सेदारी 2.05 प्रतिशत हो गई है। जोकि पहले 1.35 प्रतिशत थी। बता दें, जीक्यूजी पार्टनर ने अडानी ग्रुप की कंपनियों पर तब दांव लगाया था। जब समूह

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद काफी दबाव में था। सरकारी बीमा कंपनी का अडानी ग्रुप की कंपनियों पर भरोसा कायम है। एलआईसी की हिस्सेदारी जून तिमाही में एसीसी लिमिटेड में 9.11 प्रतिशत थी। जोकि सितंबर 2025 तक बढ़कर 9.95 प्रतिशत हो गई। वहीं, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में एलआईसी ने अपनी हिस्सेदारी 3.42 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। अडानी एंटरप्राइजेज में 4.16 प्रतिशत और अडानी ग्रीन एनर्जी में 1.30 प्रतिशत हिस्सेदारी को एलआईसी ने बरकरार रखा है। हालांकि, अडानी पोर्ट्स में एलआईसी ने हिस्सेदारी को घटाया है। सरकारी बीमा कंपनी के पास अब अडानी पोर्ट्स में 7.73 प्रतिशत हो गई है। जून तिमाही में यह 8.14 प्रतिशत थी। एफआईआई की तरफ से बिकवाली देखने को मिली है।

दीपावली के आने की पूर्व सूचना देता है

हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारंभ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई–पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद आज की जाती है। इस दिन से कोई किसी को अपनी वस्तु उधार नहीं देता। इसके उपलक्ष्य में बाजारों से नए बर्तन, वस्त्र, दीपावली पूजन हेतु लक्ष्मी–गणेश, खिलौने, खील–बताशे तथा सोने–चांदी के जेवर आदि भी खरीदे जाते हैं।

धन तेरस

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में इस बारे में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी आज ही से प्रारम्भ हो जाती है। इस दिन घरों को स्वच्छ कर, लीप–पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन ख़रीदना शुभ माना गया है। इस दिन चांदी के बर्तन ख़रीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर लगातार तीन बार अपने शरीर पर फेरना तथा कुंकुम लगाना चाहिए। कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। तुला राशि के सूर्य में चतुर्दशी व अमावस्या की सन्ध्या को जलती लकड़ी की मशाल से पितरों का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि धनतेरस आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों में नए बर्तन ख़रीदते हैं और उनमें पकवान रखकर भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि असली धन तो स्वास्थ्य है। धन्वंतरि ईसा से लगभग दस हज़ार वर्ष पूर्व हुए थे। वह काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्त्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए इस तरह सुश्रुत संहिता किसी एक का नहीं, बल्कि धन्वंतरि, दिवोदास और सुश्रुत तीनों के वैज्ञानिक जीवन का मूर्त रूप है। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का कलश जुड़ा है। वह भी सोने का कलश। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था। उन्होंने कहा कि जरा मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था।

सुश्रुत उनके रासायनिक प्रयोग के उल्लेख हैं। धन्वंतरि के संप्रदाय में सौ प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है। पुरुष अथवा स्त्री को अपने हाथ के नाप से 120 उंगली लंबा होना चाहिए, जबकि छाती और कमर अठारह उंगली। शरीर के एक-एक अवयव की स्वस्थ और अस्वस्थ माप धन्वंतरि ने बताई है। उन्होंने चिकित्सा के अलावा फसलों का भी गहन अध्ययन किया है। पशु-पक्षियों के स्वभाव, उनके मांस के गुण-अवगुण और उनके भेद भी उन्हें ज्ञात थे। मानव की भोज्य सामग्री का जितना वैज्ञानिक व सांगोपांग विवेचन धन्वंतरि और सुश्रुत ने किया है, वह आज के युग में भी प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है।

बारह वर्ष किसान के घर रहीं थीं लक्ष्मी

एक समय भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे, लक्ष्मी जी ने भी साथ चलने का आग्रह किया। विष्णु जी बोले- यदि मैं जो बात कहूं, वैसे ही मानो, तो चलो। लक्ष्मी जी ने स्वीकार किया और भगवान विष्णु, लक्ष्मी जी सहित भूमण्डल पर आए। कुछ देर बाद एक स्थान पर भगवान विष्णु लक्ष्मी से बोले- जब तक मैं न आऊं, तुम यहाँ ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत देखना। विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी को कौतुक उत्पन्न हुआ कि आख़िर दक्षिण दिशा में क्या है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं दक्षिण में क्यों गए, कोई रहस्य ज़रूर है। लक्ष्मी जी से रहा न गया, ज्योंही भगवान ने राह पकड़ी, त्योंही लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही दूर पर सरसों का खेत दिखाई दिया। वह खूब फूला था। वे उधर ही चलीं। सरसों की शोभा से वे मुग्ध हो गईं और उसके फूल तोड़कर अपना शृंगार किया और आगे चलीं। आगे गन्ने (ईख) का खेत खड़ा था। लक्ष्मी जी ने चार गन्ने लिए और रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज़ होकर शाप दिया- मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानीं और यह किसान की चोरी का अपराध कर बैठीं। अब तुम उस किसान की 12 वर्ष तक इस अपराध की सजा के रूप में सेवा करो। ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। लक्ष्मी किसान के घर रहने लगीं।

वह किसान अति दरिद्र था। लक्ष्मीजी ने किसान की पत्नी से कहा- तुम स्नान कर पहले इस मेरी बनाई देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तुम जो मांगोगी मिलेगा। किसान की पत्नी ने लक्ष्मी के आदेशानुसार ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया और लक्ष्मी से जगमग होने लगा। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया। किसान के 12 वर्ष बड़े आनन्द से कट गए। तत्पश्चात 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं। विष्णुजी, लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। लक्ष्मी भी बिना किसान की मर्जी वहाँ से जाने को तैयार न थीं। तब विष्णुजी ने एक चतुराई की। विष्णुजी जिस दिन लक्ष्मी को लेने आए थे, उस दिन वारुणी पर्व था। अतः किसान को वारुणी पर्व का महत्व समझाते हुए भगवान ने कहा- तुम परिवार सहित गंगा में जाकर स्नान करो और इन कौड़ियों को भी जल में छोड़ देना। जब तक तुम नहीं लौटोगे, तब तक मैं लक्ष्मी को नहीं ले जाऊंगा। लक्ष्मीजी ने किसान को चार कौड़ियां गंगा के देने को दी। किसान ने वैसा ही किया। वह सपरिवार गंगा स्नान करने के लिए चला। जैसे ही उसने गंगा में कौड़ियां डालीं, वैसे ही चार हाथ गंगा में से निकले और वे कौड़ियां ले लीं। तब किसान को आश्चर्य हुआ कि वह तो कोई देवी है। तब किसान ने गंगाजी से पूछा- माता! ये चार भुजाएं किसकी हैं? गंगाजी बोलीं- हे किसान! वे चारों हाथ मेरे ही थे। तूने जो कौड़ियां भेंट दी हैं, वे किसकी दी हुई हैं? किसान ने कहा- मेरे घर जो स्त्री आई है, उन्होंने ही दी हैं।

इस पर गंगाजी बोलीं- तुम्हारे घर जो स्त्री आई है वह साक्षात लक्ष्मी हैं और पुरुष विष्णु भगवान हैं। तुम लक्ष्मी को जाने मत देना, नहीं तो पुनः निर्धन हो जाओगे। यह सुन किसान घर लौट आया। वहां लक्ष्मी और विष्णु भगवान जाने को तैयार बैठे थे। किसान ने लक्ष्मीजी का आंचल पकड़ा और बोला- मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा। तब भगवान ने किसान से कहा- इन्हें कौन जाने देता है, परन्तु ये तो चंचला हैं, कहीं ठहरती ही नहीं, इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था, जो कि 12 वर्ष से तुम्हारी सेवा कर रही थीं। तुम्हारी 12 वर्ष सेवा का समय पूरा हो चुका है। किसान हठपूर्वक बोला- नहीं अब मैं लक्ष्मीजी को नहीं जाने दूंगा। तुम कोई दूसरी स्त्री यहाँ से ले जाओ। तब लक्ष्मीजी ने कहा- हे किसान! तुम मुझे रोकना चाहते हो तो जो मैं कहूं जैसा करो। कल तेरस है, मैं तुम्हारे लिए धनतेरस मनाऊंगी। तुम कल घर को लीप-पोतकर स्वच्छ करना। रात्रि में घी का दीपक जलाकर रखना और सांयकाल मेरा पूजन करना और एक तांबे के कलश में रुपया भरकर मेरे निमित्त रखना, मैं उस कलश में निवास करूंगी। किंतु पूजा के समय मैं तुम्हें दिखाई नहीं दूंगी। मैं इस दिन की पूजा करने से वर्ष भर तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी। मुझे रखना है तो इसी तरह प्रतिवर्ष मेरी पूजा करना। यह कहकर वे दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं और भगवान देखते ही रह गए। अगले दिन किसान ने लक्ष्मीजी के कथानुसार पूजन किया। उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। इसी भांति वह हर वर्ष तेरस के दिन लक्ष्मीजी की पूजा करने लगा।

धनतेरस की कथा

धनतेरस : ऐसे करें पूजा

कुबेर पूजन से प्राप्त होगी अक्षय लक्ष्मी-एक पूजा सुपारी को इत्र में डुबो कर लाल कुमकुम से बने स्वस्तिक पर स्थापित करें। धूप, दीप, आरती इत्यादि से पूजन करें। भोग लगा कर इस मंत्र से कमल के फूल या किसी भी सुगन्धित पुष्प अर्पित करें- 'ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रणवाय धनधान्यादि पतये धनधान्य समृद्धि में देहि देहि दापय दापय स्वाहा।' दीपवली के दिन पुनः इसी कुबेर का पूजन लक्ष्मी पूजा के पश्चात करें। अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होगी।

धन्वंतरि पूजा : धनतेरस के दिन धन्वंतरि की भी पूजा होती है। इस दिन प्रातःकाल धन्वंतरि के पूजन के पूर्व यदि विष्णु सहस्त्रनाम का पठन या श्रवण किया जाये तो स्वास्थ्य लाभ होगा। आम की लकड़ी के पाटे पर हल्दी से स्वस्तिक बनायें। स्वस्तिक के मध्य एक बड़ी पूजा सुपारी को गुलाब जल से स्वच्छ कर भगवान धन्वंतरि के रूप में स्थापित कर पूजन करें।

यम दीपदान : धनतेरस को सायंकाल प्रदोषकाल में यम दीपदान करना चाहिए। चारों दिशाओं की ओर मुख की हुई चार रूई की बत्तियां रख कर दिये को तिल के तेल से भर दें। दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए चार मुंह के दीपक को लाई की ढेरी के ऊपर रख दें।

मृत्युना पाश दण्डाभ्यां कालेन च मया सह।
त्रयोदश्यां दीप दानात् सूर्यजः प्रीयता मिति॥

पंचदिवसात्मक पर्व है दीपावली

प्रथम दिवस : प्रथम दिन अर्थात् कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस भी कहा जाता है। यह पर्व धन्वन्तरि जयंती के रूप में और धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। समुद्र मंथन के समय हाथों में अमृत का कलश लिए धन्वन्तरि की उत्पत्ति इसी दिन हुई थी। यह पर्व वैद्यों के लिए महत्व का है, क्योंकि धन्वन्तरि देव आयुर्वेद के जनक माने जाते हैं। धनवन्तरि जयंती सूर्योदय कार्तिक त्रयोदशी को मनाई जाती है। धनतेरस के रूप में इन दिन धनाध्यक्ष कुबेर की पूजा होती है। इस दिन धातु के बर्तन खरीदना समृद्धिदायक माना जाता है। यह पर्व घर में सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इसलिए इस दिन किसी भी व्यक्ति को धन उधार नहीं देना चाहिए और धन का अपव्यय भी नहीं करना चाहिए। सायंकाल मुख्यद्वार के दोनों ओर दीपदान करना चाहिए। यह दीपदान इस पर्व के पांचों दिन किया जाता है। इनमें दीपदान करने से यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है।

द्वितीय दिवस : द्वितीय दिन कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है इस तिथि को रूपचतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन सूर्योदय से पहले उबटन लगाकर स्नान किया जाता है। स्नान से पहले तिल्ली के तेल से शरीर की मालिश करनी चाहिए, क्योंकि इस दिन तेल में लक्ष्मी का और जल में गंगा का निवास माना जाता है। स्नान के पश्चात यमतर्पण किया जाता है। इस दिन हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। दोपहर के समय हनुमान जी की पूजा-उपासना की जाती है और उन्हें नैवैद्य अर्पित किया जाा है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन नरकासुर को मारकर उसके आतंक से निजात दिलवाई थी। इसलिए यह दिन नरकचतुर्दशी के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन को छोटी दीपावली के रूप में भी मनाते हैं। दीपावली के समान ही इस दिन दीपदान किया जाता है। राजा बलि के राज में दीपमाला प्रज्ज्वलित की जाती है। इसी दिन से राजा बलि का राज प्रारंभ होता है।

तृतीय दिवस : अर्थात कार्तिक अमावस्या दीपावली पर्व के रूप में मनाई जाती है। कमला जयंती होने के कारण इस दिन माँ लक्ष्मी की पूजा-उपासना की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के कई कारण है। भगवान श्रीराम इसी दिन 14 वर्ष का वनवास भोगकर अपने राज्य में लौटे थे। इसलिए इस दिन दीप जलाकर यह खुशी मनाई जाती है। इस दिन माँ लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। दीपावली की रात्रि को महानिशा की संज्ञा दी गई है। रात्रिकाल में जागरण करके माँ लक्ष्मी का स्वागत करने के लिए सभी लोग तत्पर रहते हैं। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त इस दिन व्यापारी अपने व्यापारिक स्थल की पूजा, तुला पूजन, बहीखाते का पूजन, लेखनी का पूजन, दवात का पूजन और कुबेर का पूजन किया जाता है। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त भगवान गणेश, महाकाली, माँ सरस्वती का पूजन भी करते हैं। ये सभी पूजन प्रदोषकाल एवं स्थिर लग्न में श्रेष्ठ होते हैं। इस दिन घर में दीपमालिकाएं लगाई जाती हैं। प्रकाश के लिए विभिन्न सजावटी वस्तुएं सजाई जाती हैं।

चतुर्थ दिवस : इस त्यौहार का चौथा दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट के रूप में मनाया जाता है। कृष्ण भगवान के अवतार से पहले इस दिन इंद्र की पूजा की जाती थी, परन्तु भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन की पूजा आरंभ करवाई। इस दिन गोबर से घर के आंगन में गोवर्धन पर्वत की रचना कर उसका पूजन किया जाता है और उसे नैवेद्य का भोग लगाया जाता है। मंदिरों में अन्नकूट का आयोजन होता है और प्रसादी का वितरण होता है। गोवर्धन को गौ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गायों की सेवा करने का विशेष महत्व है।

पंचम दिवस : पांचवा दिन अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया भाईदूज और यमद्वितीया के रूप में मनाई जाती है। इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करते हैं तथथ भाई अपनी बहिन को श्रद्धानुसार भेंट प्रदान करते हैं। यम की बहन यमी के द्वारा इस दिन यम को बुलाकर भोजन करवाया गया था। यमी ने अपने भाई का अनेक प्रकार से सत्कार किया था और भोजन के पश्चात टीका भी किया। यम ने भी प्रसन्न होकर अपनी बहन को अनेक प्रकार की भेंट प्रदान की और व मांगने को कहा। यमी ने अपने भाई यम से वर मांगा कि जो बहन इस दिन अपने भाई को भोजन करवाये तथा टीका करे, उनकी रक्षा होनी चाहिए। इसलिए इस त्यौहार को यमद्वितीया कहा जाता है। इस दिन चित्रगुप्त जी का पूजन और विश्वकर्मा जी की पूजाजा एवं उपासना भी की जाती है।

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं।

फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।

गोलू गुप्ता की वापसी

श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह मिर्जापुर फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूं और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढ़िया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है।

इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यत: मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।

फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

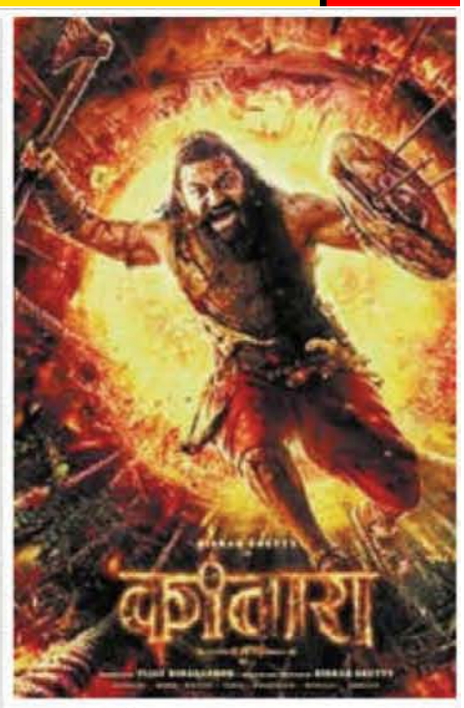

पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था कांतारा चैप्टर 1 का क्लाइमैक्स सीन

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमेक्स की शूटिंग का वक्त, सूजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सूजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा। पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सक्सेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है।

'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन

'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है।

हम पर बहुत दबाव होता है

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत एक्टिव रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया। हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।'

टी ब्रेक तक नहीं पाते एक्टर्स

काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अक्सर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों ट्विंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।

कंगना रनौत ने खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना रनौत ने यह बात दिल्ली के एक इवेंट में कही। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे से गांव से किसी ने भी उनकी जैसी सफलता हासिल नहीं की है। इसके बाद उन्होंने अपनी जड़ों और बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की।

खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना ने फिर कहा, हो सकता है कि अन्य लोग इससे असहमत हों, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बेहद ईमानदार हूं, न केवल लोगों के साथ, बल्कि खुद के साथ भी। मैंने बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है।

मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

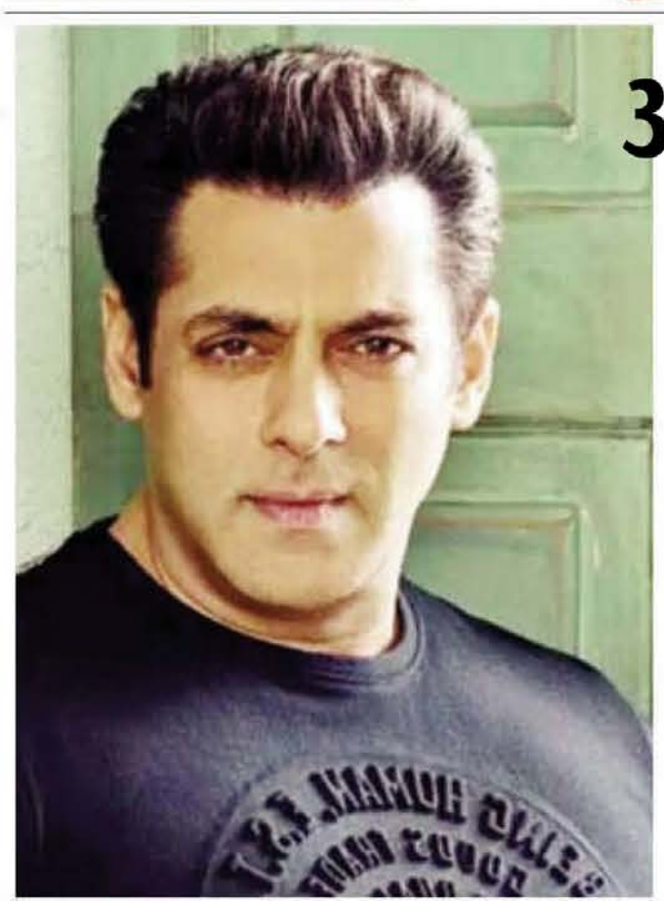

अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी

सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत

लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी

अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें

इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैलीं कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई

बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवां (बैटल ऑफ गलवां) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवां सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

अरिजीत ने मांगी माफी

जब मामला शांत नहीं हुआ, तो अरिजीत ने 2016 में सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। एक भावुक पोस्ट में, गायक ने कहा कि उनका कभी भी उन्हें अपमानित करने का इरादा नहीं था और यह पूरी घटना गलतफहमी का नतीजा थी। यह पोस्ट रातोंरात वायरल हो गई और फैंस ने सलमान से माफी स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस बारे में सार्वजनिक रूप से किसी ने बात नहीं की।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

कुल 89 शिकायतें दर्ज, 06 का मौके पर ही किया गया निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज जनपद गौतमबुद्धनगर की जेवर, दादरी और सदर तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 89 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 6 शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। जेवर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने की। यहां कुल 42 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 2 का निस्तारण तत्काल किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दादरी तहसील में समाधान दिवस की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे ने की। इस दौरान 46 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 3 शिकायतों का समाधान मौके पर ही हुआ।

वहीं सदर तहसील में उप जिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां 1 शिकायत दर्ज की गई, जिसका निस्तारण तत्क्षण कर दिया गया।

अपर जिलाधिकारी ने धान फसल की क्रॉप कटिंग का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशों के अनुपालन में आज अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे ने तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम दलेलगढ़ में खरीफ वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन स्वयं खेत पर पहुंचे और किसान रवि की भूमि (गाटा संख्या-61) पर निर्धारित मानक 10म10म10 त्रिकोण मीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई कराई। परीक्षण उपरांत 08.500 किलोग्राम धान प्राप्त हुआ।

इस दौरान एडीएम ने गांव के किसानों से संवाद किया, उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समुचित दिशा-निर्देश दिए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कार्यक्रम में अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल असीस कुमार (ग्राम दलेलगढ़), बीमा कंपनी एआईसी के प्रतिनिधि, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीपीएस वसंत कुंज ने फुटबॉल में मारी बाजी

ग्रेटर नोएडा । सेक्टर गामा दो स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में चल रही बालक वर्ग में तीन दिवसीय अंतर डीपीएस फुटबॉल प्रतियोगिता जोनल-दो में डीपीएस वसंत कुंज ने ट्रॉफी पर कब्जा किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले खेले गए। इस प्रतियोगिता में दिल्ली-एनसीआर में संचालित 22 से अधिक डीपीएस की टीमों ने भाग लिया।

स्कूल के स्पोर्ट्स अध्यापक आशीष चौधरी ने बताया कि स्कूल में 16 से 18 अक्तूबर तक अंतर डीपीएस फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल डीपीएस वसंत कुंज व डीपीएस ग्रेटर नोएडा और दूसरा सेमीफाइनल डीपीएस नोएडा व डीपीएस फरीदाबाद के बीच खेला गया। डीपीएस वसंत कुंज और डीपीएस नोएडा की टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें डीपीएस वसंत कुंज ने 4-0 गोल से एकतरफा जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। डीपीएस ग्रेटर नोएडा की टीम तीसरे स्थान पर रही। फुटबॉलर सागर छेत्री को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। वहीं, वसंत कुंज के अभ्युदय सिंह को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब दिया गया। मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवार्डी बलवान सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित किया। मुख्य अतिथि व प्रधानाचार्या सीमा रॉय, डीपीएस सोसाइटी की संयुक्त निदेशक डॉली चानना, जीबीयू के स्पोर्ट्स निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार यादव, हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जसमेर सिंह, फुटबॉल कोच चमन भंडारी ने विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

ईसीएचएस कार्ड के इलाज में फर्जी तरीके से दुरुपयोग करने वाले गैंग का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र सरकार की ओर से सेवानिवृत्त सैनिकों के इलाज के लिए चलाई जा रही योजना एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूशन हेल्थ स्कीम में फर्जीवाड़ा कर लाभ उठाने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए थाना फेज-2 पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में दानिश, प्रदीप गौर, सुमित और पूरन सिंह शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से चार मोबाइल फोन और सात ईसीएचएस कार्ड की छायाप्रतियां बरामद की हैं।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ईसीएचएस कार्ड धारकों की जानकारी जुटाकर उनके कार्ड का फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते थे। बिना जानकारी के इन कार्डों से फर्जी मरीजों को अस्पताल में भर्ती दिखाया जाता था और फर्जी मेडिकल बिल बनाकर करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा था।

डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक व्यक्ति अस्पताल का कर्मचारी भी है, जो इस फर्जीवाड़े में सक्रिय रूप से शामिल था। गैंग कार्ड धारकों के नाम पर इलाज दिखाकर अस्पतालों से बिल बनवाता था और उसमें से पैसा आपस में बांट लिया जाता था।

पुलिस ने बताया कि अब तक सात फर्जी ईसीएचएस कार्ड बरामद हुए हैं। जांच में सामने आया है कि एक आरोपी का रिश्तेदार ही ये कार्ड गैंग को उपलब्ध कराता था। फिलहाल सभी कार्डों की विवरणात्मक जांच की जा रही है ताकि पूरे रैकेट का पर्दाफाश किया जा सके। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा कि इस तरह के मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ईसीएचएस योजना का दुरुपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।